RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 42 ● भिलाई, बुधवार 13 अगस्त 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी का राहुल को नोटिस

बेंगलुरु। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से लगातार चुनाव आयोग पर 'वोट चोरी' के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसे लेकर कर्नाटक चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को नोटिस भेजा है। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को नई दिल्ली में 7 अगस्त को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए गए आरोपों की जांच के लिए दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए पत्र भेजा है। इस पत्र में कहा गया है कि आपने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आपके प्रस्तुतीकरण में दिखाए गए दस्तावेज भारत के चुनाव आयोग के रिकॉर्ड से हैं। आपने कहा है कि यह चुनाव आयोग का डेटा है। आपने यह भी कहा है कि मतदान अधिकारी द्वारा दिए गए रिकॉर्ड के अनुसार, शकुन रानी ने दो बार मतदान किया है। ईसीआई कार्यालय के अनुसार, पूछताछ करने पर शकुन रानी ने बताया कि उन्होंने सिर्फ एक बार मतदान किया है, दो बार नहीं, जैसा कि आपने आरोप लगाया है।

कटरा से अमृतसर जा रही वंदे भारत ट्रेन पहुंची जालंधर

जालंधर। अमृतसर से मां वैष्णो देवी के दरबार कटरा जाने के लिए नई वंदे भारत एक्सप्रेस कल से लोगों के लिए शुरू हो जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु से ऑनलाइन हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन उत्तर रेलवे के तहत अमृतसर से शाम 4.25 से चलेगी, जो जालंधर 5.31 पर पहुंचेगी और 2 मिनट के सटापिज के बाद रात 10 बजे कटरा पहुंचेगी। मंगलवार को छोड़कर हर दिन चलेगी। अमृतसर से कटरा का सफर सिर्फ 5 घंटे 35 मिनट में पूरा होगा, जिससे श्रद्धालुओं को तेज, आरामदायक और समय बचाने वाला विकल्प मिलेगा। ट्रेन का नंबर 26405/26406 होगा। और इसका रूट अमृतसर, ब्यास, जालंधर सिटी, पठानकोट कैंट, जम्मू तवी होकर कटरा तक होगा। अमृतसर से कटरा के लिए ये पहली वंदे-भारत इससे पहले दिल्ली-कटरा और कटरा-श्रीनगर रूट पर वंदे भारत सेवाएं शुरू की जा चुकी हैं, जो यात्रियों के बीच काफी लोकप्रिय साबित हुई हैं।

धमतरी ट्रिपल मर्डर

छत्तीसगढ़ के धमतरी में विवाद के बाद तीन युवकों की हत्या

धमतरी/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में विवाद के दौरान तीन युवकों की हत्या के आरोप में पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया है जबकि तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। धमतरी जिले के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के अर्जुनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत अन्नपूर्णा ढाबे में बीती रात कुछ लोगों ने विवाद के बाद रायपुर निवासी तीन लोगों सुरेश हियाल, नितिन टांडी और आलोक ठाकुर की हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने आठ लोगों गोपी दीवान (20), कुलेश्वर नेताम (25), रणवीर कुमार साहू (20), कमलेश ध्रुव (19) और गौतम दीवान (22) को गिरफ्तार कर लिया है जबकि इस मामले में पुलिस ने तीन नाबालिगों को हिरासत में भी लिया है। पुलिस के मुताबिक रायपुर निवासी युवक एक कार में सवार होकर धमतरी गए थे। धमतरी जिले के पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार ने मंगलवार को बताया कि अभी तक की गयी जांच में पता चला है कि सोमवार रात लगभग सवा 11 बजे कुछ युवकों ने ढाबे में खाना खाने के बाद ढाबे के कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार किया तथा उपद्रव मचाया। इस दौरान कार में सवार तीन युवक वहां खाना खाने पहुंचे और उपद्रव कर रहे युवकों का उनके साथ विवाद हो गया। इस दौरान उपद्रवियों ने कार में सवार तीन लोगों की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस अधीक्षक

परिहार ने बताया कि जानकारी मिली है कि आलोक सिंह ठाकुर, नितीन टांडी और सुरेश हियाल अपने साथियों के साथ ढाबा पहुंचे थे, जहां पहले से मौजूद आठ आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज कर हाथापाई की और मुख्य आरोपी गोपी दीवान ने चाकू से तीनों पर जानलेवा हमला किया। इस घटना के बाद आरोपी युवक वहां से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि पुलिस को जब घटना की जानकारी मिली तब घटनास्थल के लिए पुलिस दल रवाना किया गया तथा शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने आज सुबह तक इस मामले में तीन नाबालिगों समेत आठ लोगों को हिरासत में लिया। बाद में इनमें से पांच युवकों को गिरफ्तार कर लिया तथा आरोपी नाबालिग लड़कों को किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश किया गया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त हथियार को बरामद कर लिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी युवकों को स्थानीय अदालत में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। धमतरी जिले के पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार ने बताया कि अभी तक की जांच में जानकारी मिली है कि सोमवार रात लगभग सवा 11 बजे कुछ युवकों ने ढाबे में खाना खाने के बाद ढाबे के कर्मचारियों के साथ बदतमीजी की तथा उपद्रव मचाया।

भाई की लाश देख बेहोश हो गई बहन

वहीं, तीनों मृतक युवकों की लाश मंगलवार सुबह उनके रायपुर स्थिति आवास पर भेजी गई। लाश पहुंचते ही घर में चीख पुकार मच गई। आलोक का शव देखकर उसकी बहन बेहोश हो गई। तीनों दोस्त रायपुर के अलग-अलग इलाकों में रहते थे और घूमने के लिए धमतरी आए थे। आलोक ठाकुर पेटी ठेकेदार का काम करता था। वहीं, सूरज और नितिन ड्राइवरी करते थे। तीनों आपस में दोस्त थे और ढाबे पर खाना खाने के लिए रुके थे। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि हमलावर बदमाशों ने ढाबे में 300 रुपए का खाना खाया था लेकिन बिल नहीं दिया। इसके बाद को लेकर ढाबे में विवाद हो रहा था। इसी विवाद के बीच तीनों युवक वहां पहुंचे। इस दौरान बदमाश इनसे भी बहस करने लगे और फिर हत्या कर दी।

एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर राज्यसभा में हंगामा

जेपी नड्डा बोले-स्वस्थ लोकतंत्र में विश्वास नहीं करता विपक्ष....

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को राज्यसभा में कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे का विरोध किया, जब उन्होंने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का मुद्दा उठाने की कोशिश की। पहले के स्थगन के बाद दोपहर 3 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही, अध्यक्ष पद पर आसीन बीजद सदस्य सस्मित पात्रा ने कहा कि सूचीबद्ध कार्य पर विचार किया जाएगा और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 को सदन में पारित करने के लिए

पेश किया। विपक्षी सदस्यों ने अध्यक्ष से सदन में विपक्ष के नेता खड़गे को बोलने की अनुमति देने का आग्रह किया। खड़गे ने एसआईआर पर बोलने की मांग की और दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों, गरीबों और हाशिए पर पड़े वर्गों के वोटों पर इसके प्रभाव के बारे में आरोप लगाए। उन्होंने मोदी सरकार पर भी आरोप लगाए। विपक्षी सदस्यों ने एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर सदन से बहिर्गमन किया। सदन के नेता जेपी नड्डा ने खड़गे की टिप्पणी का खंडन करते हुए कहा कि विपक्ष स्वस्थ लोकतंत्र में विश्वास नहीं करता। नड्डा ने ज़ोर देकर कहा कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। लेकिन नियमों के अनुसार। उन्होंने आगे कहा कि सरकार बाधा और अराजकता की अनुमति नहीं देगी। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी कहा था कि विपक्ष का व्यवहार सदन के सुचारू संचालन में बाधा डालने की एक साजिश है।

गंगा में डूब रही महिला ने पकड़ ली बहती लाश 7 किमी दूर जाकर मौत से जीती जंग

भागलपुर। जाको राखे साइयां मार सके ना कोय, यह कहावत बिहार के भागलपुर में बिलकुल सच साबित हुई है। जहां एक महिला गंगा की तेज धार में बह गई। दूर तक बह जाने के बाद महिला ने एक लाश को पकड़ लिया। इस दौरान वह 7 किलोमीटर दूर चली गई और महिला की जान बच गई। दरअसल, मुंगेर के बरियारपुर की रहने वाली कुमकुम देवी सुल्तानगंज स्थित नमामि गंगे घाट पर गंगा स्नान कर रही थीं, तभी गंगा की तेज धार में वह बह गईं। जब उनकी बचने की उम्मीद खत्म हो गई थी, तभी गंगा की बीच धार में उन्हें एक मुर्दा मिला। कुमकुम देवी ने हिम्मत नहीं हारी और उस मुर्दे को ही अपना सहारा बना लिया।

चार नए सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट,लखनऊ मेट्रो का विस्तार

18541 करोड़रूपए की योजनाओं को केंद्रीय कैबिनेट ने दी मंजूरी...

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को तीन बड़े फैसले लिए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 18,541 करोड़ रुपये की योजनाओं की मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्रीमंडल ने देश में चार नए सेमीकंडक्टर परियोजनाओं की मंजूरी दे दी है। इन परियोजनाओं पर करीब 4,594 रुपये खर्च किए जाएंगे। ये परियोजनाएं ओडिसा, पंजाब और आंध्र प्रदेश में शुरू होंगे। कैबिनैट ने दूसरा बड़ा फैसला लखनऊ मेट्रो के बारे में लिया है। केंद्रीय कैबिनेट ने 5,801 करोड़ रुपये की

लागत से बनने वाले लखनऊ मेट्रो के फेज वन बी परियोजना को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही सरकार ने 8,146 करोड़ की लागत वाली क्लीन ग्रोथ: टाटो-हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजना को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना 700 मेगावाट बिजली पैदा करेगी। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को केंद्रीय कैबिनेट में लिए गए इन फैसलों की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्रीमंडल ने भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत चार और सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी। आज स्वीकृत प्रस्ताव स्द्घष्स्द्ब, कॉन्टिनेंटल डिवाइस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ग्लास सॉल्यूशंस इंक और एडवांस्ड सिस्टम इन पैकेज। टेक्नोलॉजीज से जुड़े हैं। ओडिशा, पंजाब और आंध्र प्रदेश में विनिर्माण इकाइयां स्थापित की जाएंगी। इन पर लगभग 4,600 करोड़ रुपये का खर्च किया जाएगा।

बिना अनुमति सेल्फी लेने पर भड़कीं जया

सांसद ने शख्स को दिया धक्का,यूं लगाई फटकार..

नई दिल्ली। संसद भवन परिसर में एक बार फिर समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन उस वक्त भड़क गईं जब एक व्यक्ति ने बिना उनकी अनुमति के उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश की। इस दौरान जया बच्चन ने शख्स को फटकार लगाई और डांटते हुए धक्का देकर दूर कर दिया। बता दें कि यह पहली घटना नहीं है, जब सपा सांसद किसी शख्स पर भड़कीं हों। इस दौरान जया बच्चन के साथ शिवसेना यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी और राष्ट्रीय जनता दल की सांसद मीसा भारती भी मौजूद थीं। जया बच्चन की तरफ से फटकार लगाए जाने के बाद शख्स वहां से

थोड़ा पीछे हट गया, वहीं इस मौके पर आरजेडी सांसद मीसा भारती ने भी उसके व्यवहार को लेकर नाराज दिखीं। इससे कुछ दिन पहले संसद के मानसून सत्र के दौरान चर्चा में भाग लेने के दौरान सपा सांसद ने शिवसेना यूबीटी सांसद को डांट लगाई थी।

ईसीआई ने वोट चोरी के सबूत को किया खारिज

नई दिल्ली। कांग्रेस ने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वीडियो को शेयर कर चुनाव आयोग पर निशाना साधा। भारत निर्वाचन आयोग फैक्ट चेक ने इस वीडियो को भ्रामक बताते हुए कहा कि राहुल गांधी लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। भारत निर्वाचन आयोग फैक्ट चेक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान झूठे और भ्रामक हैं। राहुल गांधी कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया से बचने की कोशिश कर रहे हैं और नागरिकों को जितना हो सके गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। अगर उन्हें नेटिजन्स (इंटरनेट पर सक्रिय लोग) के लिए प्रसारित की जा रही।

चुनाव आयोग से सुप्रीम कोर्ट

तैयार रहें.....हम आपसे मतदाताओं से जुड़े तथ्यों और आंकड़ों पर कुछ सवाल करेंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग की ओर से बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया कराने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस जयमाल्या बागची की पीठ ने राजद नेता मनोज झा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलों से सुनवाई शुरू की। सिब्बल ने तर्क दिया कि एक निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव आयोग ने दावा किया था कि 12 लोग मृत थे, लेकिन वे जीवित पाए गए, जबकि एक अन्य मामले में जीवित लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। चुनाव आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि इस तरह के अभियान में कुछ खामियां होना स्वाभाविक है। यह दावा करना कि मृत लोगों को जीवित घोषित किया गया और जीवित लोगों को मृत घोषित किया गया, हमेशा सही किया जा सकता है, क्योंकि यह केवल एक मसौदा सूची है। पीठ ने चुनाव आयोग से कहा कि वह तथ्यों और आंकड़ों के साथ तैयार रहे, क्योंकि कोर्ट प्रक्रिया से पहले मतदाताओं की संख्या, पहले और अब मृतकों की संख्या और अन्य प्रासंगिक

विवरणों पर सवाल उठाएगा।सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआईआर को लेकर दाखिल याचिकाओं की सुनवाई में कहा कि इस मामले में बड़ा विवाद नहीं, बल्कि यह ज्यादातर भरोसे की कमी का मामला लगता है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया था कि करीब 1 करोड़ वोटर इस प्रक्रिया से बाहर रह गए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा - 'जब 7.9 करोड़ वोटरों में से 7.24 करोड़ ने जवाब दिया, तो 1 करोड़ वोटर गायब होने की थ्योरी टिकती नहीं है।' चुनाव आयोग ने भी सुप्रीम कोर्ट को बताया कि लगभग 6.5 करोड़ लोगों को बिहार एसआईआर में कोई दस्तावेज जमा नहीं करना पड़ा, क्योंकि वे या उनके माता-पिता 2003 की मतदाता सूची में पहले से शामिल थे। अदालत ने साफ किया कि आंकड़ों से ज्यादा यह मामला भरोसा और धारणा का है, न कि किसी बड़े पैमाने की गड़बड़ी का।

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोप गंभीर प्रकृति के थे

न्यायमूर्ति यशवंत को हटाने के प्रस्ताव पर लोकसभा में मंजूरी,स्पीकर ने बनाई तीन सदस्यीय कमेटी........

नई दिल्ली/ एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को घोषणा की कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ने घोषणा की कि समिति के सदस्यों में न्यायमूर्ति अमित कुमार, न्यायमूर्ति मनिंदर मोहन श्रीवास्तव और बी बी आचार्य शामिल हैं। बिरला ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए 146 सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। सर्वोच्च न्यायालय ने 7 अगस्त, 2025 को कहा था कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा, जिनके आवासीय परिसर में आग लगने के बाद जले हुए नोट मिले थे, को हटाने की सिफारिश करने वाली आंतरिक जांच प्रक्रिया को कानूनी मान्यता प्राप्त है। सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायमूर्ति वर्मा द्वारा दायर उस याचिका को खारिज कर दिया

जिसमें उन्होंने आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट और भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना की उस सिफारिश को चुनौती दी थी जिसमें उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश की गई थी। यह आग की घटना राष्ट्रीय राजधानी में उनके आधिकारिक आवास पर जली हुई बेहिसाब नकदी बरामद होने के कारण हुई थी, जब वे दिल्ली उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश थे। इससे पहले, 7 अगस्त को, सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की उस याचिका को खारिज कर दिया था जिसमें उन्होंने आंतरिक तीन न्यायाधीशों की जांच समिति की रिपोर्ट और भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना की उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि आंतरिक जांच समिति द्वारा अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करने से पहले उन्हें जवाब देने का उचित अवसर नहीं दिया गया था। न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल पेश हुए।यह मामला 14 मार्च को उनके दिल्ली स्थित आवास पर आग लगने के बाद कथित तौर पर दमकल गाड़ियों द्वारा नकदी बरामद किए।

वोट चोरी मामले में

राहुल गांधी ने कहा.. अभी पिक्चर बाकी है

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग पर ''एक व्यक्ति, एक वोट'' के सिद्धांत को लागू करने का अपना कर्तव्य नहीं निभाने का आरोप लगाया और मतदाता सूची में अनियमितताओं के दावों का हवाला देते हुए कहा, ''अभी पिक्चर बाकी है।'' राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी संविधान की रक्षा कर रही है और ऐसा करती रहेगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा, ''यह सिर्फ एक सीट की बात नहीं है (जहां 'वोट चोरी' हो रही है), बल्कि कई

सीटों की बात है। यह राष्ट्रीय स्तर पर और व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। चुनाव आयोग जानता है और हम भी जानते हैं। उन्होंने कहा, ''पहले सबूत नहीं था, लेकिन अब है। हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं। 'एक व्यक्ति, एक वोट' संविधान की नींव है।

CMYK

अमलीडीह की सरपंच खेलियाबाई पटेल को दिल्ली में 15 अगस्त पर विशेष अतिथि बनने का गौरव

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले की जनपद पंचायत कवर्धा के ग्राम पंचायत अमलीडीह की सरपंच खेलियाबाई पटेल स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होने जा रही हैं। उन्हें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2025 को दिल्ली में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह सम्मान पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है, क्योंकि इस अवसर पर कबीरधाम से बुलावा पाने वाली वह एकमात्र सरपंच हैं। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत पटेल ने अपने पंचायत में स्वच्छता को जन आंदोलन का रूप देते हुए घर-घर कचरा संग्रहण, सामुदायिक शौचालयों का उपयोग, व्यक्तिगत शौचालय निर्माण, कचरा निस्तारण व्यवस्था और नियमित सफाई अभियान को सफलतापूर्वक लागू किया। उनके नेतृत्व में गांव की गलियां स्वच्छ, नालियां साफ और सार्वजनिक स्थल गंदगी मुक्त हुए। इस सक्रिय भागीदारी ने अमलीडीह को आदर्श पंचायत के रूप में पहचान दिलाई। सरपंच खेलियाबाई पटेल ने इस उपलब्धि का श्रेय ग्रामवासियों की जागरूकता और प्रशासन के सहयोग को देते हुए उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा का विशेष आभार जताया। उन्होंने कहा कि शर्मा के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से ही पंचायत को निरंतर स्वच्छता गतिविधियों को बढ़ावा देने का अवसर मिला। साथ ही कलेक्टर गोपाल वर्मा और जिला पंचायत सीईओ अजय त्रिपाठी के सहयोग को भी उन्होंने सराहा। ग्राम अमलीडीह और जिले के लोगों ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान सिर्फएक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे कबीरधाम जिले का है, जिसने स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है।

विधायक भावना बोहरा ने बेटियों के लिए शुरू की 8 नि:शुल्क बस सेवा, 1000 छात्राओं को मिलेगा लाभ

कवर्धा। बेटियों की उच्च शिक्षा के सपनों को पंख देने और उनके सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने आज से 8 निःशुल्क बस सेवाओं का संचालन प्रारंभ किया। इन बसों से पंडरिया विधानसभा क्षेत्र की लगभग 1000 महाविद्यालयीन छात्राओं को कवर्धा, पिपरिया, सहसपुर लोहारा, पंडरिया एवं पांडातराई महाविद्यालय तक आने-जाने में सुविधा मिलेगी। 10 अगस्त को विधायक बोहरा ने सभी बसों की पूजा-अर्चना कर छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी थीं। पूर्व में 3 निःशुल्क बसों का संचालन हो रहा था, जिन्हें विस्तार देकर अब कुल 8 बसें सेवाएं दे रही हैं। यह पहल उन छात्राओं के लिए वरदान साबित होगी, जो अब तक आवागमन की कठिनाइयों के कारण उच्च शिक्षा से वंचित रह जाती थीं। बसों के अपने गंतव्य की ओर बढ़ते ही छात्राओं, उनके परिजनों और ग्रामवासियों ने फूल-मालाओं से स्वागत कर आभार जताया। परिजनों के चेहरों पर सुकून और बेटियों के चेहरे पर सुरक्षित भविष्य की चमक साफ झलक रही थी। इस अवसर पर विधायक बोहरा ने कहा, यह सिर्फ बस सेवा नहीं, बल्कि क्षेत्र की बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान से प्रेरित होकर हमारा संकल्प है कि हर बेटी को शिक्षा के अवसर मिले और वह आत्मनिर्भर बने। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पहल न केवल छात्राओं को सुरक्षित आवागमन उपलब्ध कराएगी बल्कि परिजनों को भी मानसिक और आर्थिक रूप से राहत देगी।

उपभोक्ता से ऊर्जा दाता बनने की दिशा में बढ़ता छत्तीसगढ़: प्रणव शर्मा

उतई। छत्तीसगढ़ की धरती ऊर्जा क्रांति के नए युग में प्रवेश कर रही है। राज्य और केंद्र सरकार की साझा पहल पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना न केवल आमजन को राहत देने वाली योजना है, बल्कि यह लोगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी मील का पत्थर साबित हो रही है। पाटन जनपद सभापति प्रणव शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के अंतर्गत आम नागरिक अब खुद बिजली पैदा कर सकते हैं और अपने मासिक बिजली बिल से मुक्ति पा सकते हैं। यही नहीं, अतिरिक्त बिजली का उत्पादन कर उसे बेचकर आमदनी भी अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में डबल सब्सिडी के तहत यह योजना और भी अधिक प्रभावी हुई है। केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकार भी इसमें सब्सिडी दे रही है, जिससे घरों पर सोलर प्लांट लगवाना अब पहले से कहीं अधिक सुलभ और किफायती हो गया है। छत्तीसगढ़ के लगभग 31 लाख परिवारों को हाफ बिजली बिल योजना का लाभ मिल रहा है, वहीं 15 लाख बीपीएल परिवारों को 30 यूनिट तक मुफ्त बिजली भी दी जा रही है। यह योजना ऊर्जा सुरक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। शर्मा ने ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस योजना से जुड़ें और खुद के बिजली उत्पादक बनें।

उन्होंने कहा कि यह योजना 'सस्ते बिजली के वादे से आगे बढ़ते हुए मुफ्त बिजली और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़' का सपना साकार करने का प्रयास है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि पाटन सहित आसपास के क्षेत्रों में भी इस योजना को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, ताकि ज़्यादा से ज़्यादा लोग इसका लाभ ले सकें। अब उपभोक्ता नहीं, हर नागरिक बन सकता है ऊर्जा दाता – यह बदलाव का समय है, और छत्तीसगढ़ इस बदलाव की अगुवाई कर रहा है।

चॉइस सेंटर के नाबालिक लड़के के आंख में मिर्ची डालकर किया मारपीट

बेमेतरा। चॉइस सेंटर के नाबालिक लड़के के आंख में मिर्ची डालकर मारपीट किया है पुलिस वाले ने मामला दर्ज किया इस संबंध में सिटी कोतवाली पुलिस थाना में दर्ज किए गए रिपोर्ट में च्वाइस सेंटर के संचालक राजेश कुमार चौहान ने बताया वह वार्ड नं. 08 कंडरापारा रायपुर रोड बेमेतरा का निवासी है रतन टाकीज के पास दुर्ग रोड बेमेतरा में लीना फोटो स्टुडियो नाम से च्वाइस सेंटर दुकान संचालक है।

वह निजी काम से राजनांदगांव गया था। 10 अगस्त को उसका लडका रौनित चौहान उम्र 16 साल च्वाइस सेंटर दुकान में अकेला था, सुबह करीबन 10.30 बजे दुकान के मोबाईल से किसी व्यक्ति ने मेरे मोबाईल में फोन कर बताया कि आपके लड़का च्वाइस सेंटर दुकान में था उसी समय एक व्यक्ति ने उसके आंख में मिर्ची पावडर छीडककर मारपीट किया है। तब मैं अपने परिवार वालों को फोन कर बताया कि दुकान में लडका रौनित को किसी व्यक्ति ने आंख में मिर्च पावडर डालकर मारपीट किया है तुरन्त दुकान आओ बोला और में राजनांदगांव से वापस बेमेतरा आकर अपने लडका रौनित चौहान से घटना के बारे में पुछने पर बताया कि दिनांक 10.08.2025 को सुबह 10.15 बजे मैं च्वाइस सेंटर दुकान में अकेला काउंटर में बैठा था उसी समय एक व्यक्ति चेहरे पर गमछा बांधकर आया और बोला कि मुझे अर्जेंट दस हजार रूपये की जरूरत है मैं तुम्हारे फोन पे में दस हजार रूपये डलवा रहा हूं मुझे नगदी दे देना बोला और मुझसे मोबाईल मांगा तब मैंने बोला कि मेरे मोबाईल में रिचार्ज नहीं है किसी दूसरे के मोबाईल से बात कर लो तब वह च्वाइस सेंटर से बाहर चला गया और कुछ देर बाद वापस दुकान में आकर मुझे बोला कि तुम्हारे फोन पे में दस हजार रूपये डलवा दिया हूं चेक कर लो बोला तब मैं अपने फोन पे को चेक किया और रूपये नहीं आया है बोलकर उस व्यक्ति के तरफ देखा तो उस व्यक्ति ने मुझे मां बहन की गंदी गंदी गालियां देते हुए तथा जान से मार देने की धमकी देते हुए अपने हाथ में रखे लाल मिर्च पावडर को मेरे आंख में फेंक दिया जिससे लाल मिर्च पावडर मेरे आंख में चला गया और दुकान के काउंटर के बाहर से अंदर आकर मेरा गला पकड़कर हाथ मुक्का से साथ मारपीट करने लगा तथा मेरे प्रायवेट पार्ट को अपने हाथ में पकड़कर दबा दिया तब बहुत संघर्ष कर किसी तरह से अपनी जान बचाकर दुकान से बाहर भागा तो उस व्यक्ति ने दुकान के बाहर जाकर फिर से हाथ मुक्का से मारपीट करने लगा तब लडका बचाओ बचाओ चिल्लाया तो वहां आसपास उपस्थित लोग बीच बचाव करने आये और उस व्यक्ति के गमछा को हटवाकर उसका नाम पता पुछे तो वह व्यक्ति अपना नाम करिश्मा बंजारे निवासी खरोरा का रहने वाला बताया तथा वह व्यक्ति अपने पैंट के अन्दर कमर में हथौडी दबाकर रखा था। मारपीट करने से लड़के सिर, पेट, पीठ में चोंट आकर दर्द हो रहा है तथा लाल मिर्च पावडर आंख में डालने से मेरा आंख व बदन में जलन होकर बहुत दर्द हो रहा है पुलिस के द्वारा विभिन्न धारा के तहत मामले को दर्ज़ कर जांच शुरू कर दिया है।

मिनी माता की पुण्यतिथि पर पर कांग्रेस कमेटी द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई

बेमेतरा। मिनी माता की पुण्यतिथि पर शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के द्वारा शहर के वार्ड 7 मे कार्यक्रम आयोजित कर श्रद्धांजलि दी गई तथा उनके व्यक्तित्व तथा उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों का स्मरण किया गया । कार्यक्रम मे मिनी माता के जीवन पर प्रकाश डालते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुमन गोस्वामी ने कहा कि अविभाजित छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद मिनी माता का जीवन संघर्ष भरा रहा, उनका सारा जीवन भारत की जनता को समर्पित रहा। सामाजिक उत्थान, दलितों के शोषण को दूर करने का कार्य, बालिका व स्त्री शिक्षा ,सामाजिक कुरीतियों को दूर करने,मजदूरों के उत्थान आदि कार्यों मे उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा ।मिनी माता को छत्तीसगढ़ मे माता के नाम से जाना जाता है क्योंकि उन्होंने हमेशा लोगों की देखभाल की और उनके कल्याण के लिए काम किया उनका जीवन प्रेरणादायक है। कार्यक्रम मे लुकेश वर्मा ब्लॉक अध्यक्ष ग्रामीण बेमेतरा ,राजेश नवरंगे,पोषण वर्मा ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर ललित विश्वकर्मा महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी,मनोज शर्मा, रीता पांडेय,रश्मि मिश्रा, नारी छाबड़ा,रुबी सलूजा,तोकेश्वर साहू, प्रकाश ठाकुर ,नीलम टंडन ,राघवेंद्र मनु,लक्ष्मी डेहरे, रामसजीवन टंडन, जया साहू, हेमिन यादव, सहोदरा नवरंगे, मथुरा साहू, अनुपमा मार्कण्डेय, अन्नू मिर्झ,संगीता नवरंगे,पोषण वर्मा,प्रमोद ,मिलिंद, विधि,आंचल, सुप्रिया, अनीता, सीता, हेमा, मेघनाथ, शेखर, जगतारण सहित बड़ी संख्या मे कांग्रेस जन, वार्डवासी और महाविद्यालयीन छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

दसवीं बारहवीं में 90% से अधिक लाने वाले छात्र-छात्राओं एवं लीडर्स को बैच देकर किया सम्मानित

बेमेतरा। छात्रों के सम्मान के लिए एवं छात्र प्रतिनिधि को बैच प्रदान करने के लिए कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की दीप प्रज्वलित कर एवं स्कूल के प्राचार्या डॉक्टर अलका तिवारी जी ने अतिथियों के स्वागत भाषण से कार्यक्रम को आगे बढ़ाया, कार्यक्रम में कक्षा दसवीं एवं बारहवीं से 90त्न से अधिक लाने वाले छात्र-छात्राओं एवं सभी हाउस के लीडर्स को बैच देकर सम्मानित किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीपेश साहू जी विधायक बेमेतरा, राजेंद्र शर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा, विजय सिंह अध्यक्ष नगर पालिका बेमेतरा, डॉक्टर अवधेश पटेल शिक्षाविद, मृदु महाजन पोगुला शिक्षाविद, नीतू कोठारी पार्षद बेमेतरा की गरिमामयी उपस्थिति रही। दीपेश साहू जी ने बच्चों का मनोबल बढ़ाते हुए अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए लक्ष्य के प्रति सोच रखकर कड़ी मेहनत एवं लगन के साथ निरंतरता रखने के लिए मार्गदर्शन किया। मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में विभोर वर्मा कक्षा दसवीं 98.33% के साथ छत्तीसगढ़ राज्य स्तर में छठवां स्थान प्राप्त किए साथ हि कृष्ण कुमार यादव 96%, चंचल ठाकुर 95%, श्रेयांश सिंह ठाकुर 94%, भूपेश साहू 93.83%, प्रतिशत हर्षवर्धन सिंह 93.67%, उमंग खनूजा 93%, यामिनी पाटिल 92.83%, निलिशा साहू 92%, वंश मूंदड़ा 91.67%, मोहम्मद मोइन शेखानी 91%, एकता साहू 90.5%, स्नेहा पटेल 90.5%, विपुल साहू 90.16% एवं हायर सेकेंडरी से सिंह चंदेल 91.6% गणित, वीणा साहू 90.4% जीव विज्ञान, पूनम वर्मा 87.8% कला, शिखा शुक्ला 87.8% कॉमर्स। छात्र प्रतिनिधि में स्कूल हेड बॉय शांतनु शर्मा एवं स्कूल हेड गर्ल्स श्रेजल धुर्वे एवं वाइस हेड बॉय हर्ष साहू, वाइस हेड गर्ल्स निष्ठा पांडे, अनुशासन प्रमुख आदित्य वर्मा एवं शुभी नामदेव, अनुशासन सहप्रमुख वैभव छाबड़ा एवं रिचा शर्मा को बनाया गया, मुख्य अतिथियों के आभार के लिए स्कूल के डायरेक्टर अविनाश तिवारी जी ने कहा कि आप सभी अपना अमूल्य समय निकालकर बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए आए बहुत-बहुत धन्यवाद।

हर घर तिरंगा- घर-घर तिरंगा के नाम से लोगों को जागरुक कर रहे

दल्लीराजहरा। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा देश में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान अभिव्यक्त करने के लिए हर घर तिरंगा- घर-घर तिरंगा के नाम से लोगों को जागरुक कर रहे हैं। जिसके माध्यम से लोगों को अपील कर रहे हैं कि राष्ट्रध्वज के सम्मान के लिए 13 अगस्त से 15 अगस्त तक सभी भारतवासी अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लगाये तथा लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के महत्वता को समझाएं। उनके विचारों और अपील को सम्मान देते हुए लौह नगरी दल्ली राजहरा की समाज सेविकाओं द्रौपदी साहू , रेणुका देवांगन और सरस्वती साहू ने राष्ट्रध्वज को विभिन्न स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को बांटे। उन्होंने बताया कि वे लोग दल्ली राजहरा के प्राथमिक शाला पंडर दल्ली, पूर्व माध्यमिक शाला पंडर दल्ली, श्री गुरु नानक प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला क्रमांक 2 पंडर दल्ली, लिटिल बर्ड प्राथमिक ,पूर्व माध्यमिक एवं हाई स्कूल के अलावा नगर के विभिन्न तीन आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों को राष्ट्र के प्रति प्रेम जागृत करने के लिए राष्ट्रध्वज तिरंगा का वितरण किया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हमारा देश की आन बान और शान है। देश की आजादी के लिए लाखों-करोड़ों माताओ एवं बहनों ने अपनी सुहाग की बलिदान दे दी द्य हमारे देश के वीर सपूतों महारानी लक्ष्मी बाई, तात्या टोपे ,खुदीराम बोस ,भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे अनगिनत क्रांतिकारियों ने अपने देश की रक्षा के लिए बलिदान दे दी द्य आज उनके बलिदान को हमारे देशवासी व्यर्थ नहीं जाने देंगे उन्होंने स्कूलो में पढ़ने वाले सभी बच्चों को कहा कि स्वतंत्रता दिवस की रैली में आप सभी राष्ट्रध्वज को लेकर आये। उसे रैली में लेकर सम्मिलित होइए और स्वतंत्रता दिवस के उपरांत राष्ट्रध्वज को अपने-अपने घरों में एक अच्छी जगह पर सम्मान पूर्वक सुशोभित करें तथा हमेशा याद रखें की हमे आजादी उन सैकड़ो देशभक्तों के बलिदान के बाद मिली है उसके बलिदान को हम व्यर्थ नहीं जाने देंगे।

मेडिकल ऑफिसर डॉ. वी.एस.ठाकुर के निर्देशानुसार टीबी के उपचार रत हितग्राहियों का काउंसलिंग किया गया

दल्लीराजहरा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, चिखलाकसा में ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. वी.एस.ठाकुर के निर्देशानुसार टीबी के उपचार रत हितग्राहियों का काउंसलिंग किया गया एवं टीबी के बचाव व नियंत्रण हेतु स्वास्थ्य शिक्षा दिया गया। निको माइंस गिधाली ब्लॉक डौंडी, द्वारा टीबी के उपचाररत हितग्राहियों को प्रधानमंत्री निश्चय पोषण आहार योजना के तहत निश्चय मित्र बनकर पोषण आहार प्रदान किया गया। जहां निको माइंस कर्मचारी राजेंद्र कुमार देवांगन, कौशल राम ठाकुर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के मेडिकल ऑफिसर निधि राम, सरिता पटेल, टीबी रोग विशेषज्ञ डॉ पी.एल.मेरिया, जिला पीपीएम कोऑर्डिनेटर सारा खान, ब्लॉक टीबी सुपरवाइजर मनेश कुमार निर्मलकर एवं सेक्टर सुपरवाइजर रेखू राम साहू,एसएल मेरिया, लैब टेक्नीशियन चमेली भुआर्य, टीबी मितान भूपेन्द्र ठाकुर, टीबी वालंटियर शिवराम रनघाटी, एवं सभी स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

विधानसभा क्षेत्र में प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को लगे नहीं दिया जाएगा: आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा है कि बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के बेरला विकासखंड में ग्राम कोहड़िया में लगने वाले स्पंज आयरन फैक्ट्री का पुरजोर विरोध कांग्रेस पार्टी करती है कांग्रेस पार्टी बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में कृषि आधारित उद्योगों की पक्षधर रही है ज्ञात हो कि यह कांग्रेस कार्यकाल में भी स्पंज आयरन उद्योग लगाने की कोशिश की गई थी किंतु उसे समय तत्कालीन सरकार के द्वारा इसे स्थगित रखा गया अब जबकि राज्य में सत्ता परिवर्तन हो चुका है और भाजपा अपने मंसूबों को कामयाब करने में जुटी हुई है भाजपा के द्वारा अपने चुनावी घोषणा पत्र में भी यह कहा गया था कि बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में प्रदूषण युक्त कोई भी उद्योग नहीं खुलने दिया जाएगा और आज सत्ता प्राप्त होते ही सबसे पहले प्रदूषण युक्त उद्योगों को ही बेमेतरा में खोलने की तैयारी की जा रही है यही है मोदी की गारंटी जनता से किए वादे भूल जाओ और उद्योगपतियों से किए वादे निभावो पूर्व में जो भाजपा के नेता बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में उद्योग लगाने का विरोध किया करते थे आज इन बड़ी-बड़ी फैक्ट्री के मालिकों से दलाली खाकर चुप बैठे हुए हैं और बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र को प्रदूषण फैलाने के लिए छोड़ दिया है लेकिन कांग्रेस पार्टी ऐसा हरगिज नहीं होने देगी पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने बताया कि 21 अगस्त 2025 को ग्राम कोहड़िया में लगने वाले जनसुनवाई शिविर में इस बात को जोर-शोर से रखा जाएगा की अगर बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में कोई उद्योग लगाना है तो कृषि आधारित उद्योग लगाया जाए स्पंज आयरन उद्योग लगाने से बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्रामों में इन उद्योगों से निकलने वाले जहरीले कार्बन डाइऑक्साइड और सल्फर तथा अधजले कार्बन और सिल्का से होने वाला प्रदूषण न केवल आसपास क्षेत्र की वायु को प्रदूषित करता है बल्कि इससे बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में खासी, सांस लेने में तकलीफ तथा अन्य फेफड़ागत स्वास्थ्य समस्या उत्पन्न होंगी साथ साथ जल प्रदूषण की समस्या जिसमें स्पंज आयरन प्लांट से निकलने वाले दूषित पानी विभिन्न प्रकार के रसायन और धातुओं मिश्रित होंगे जो आसपास के जलाशयों तथा नदियों को प्रदूषित करेंगे साथ ही साथ जल जीव एवं मनुष्य के स्वास्थ्य पर इस प्रकार के जल का नकारात्मक प्रभाव पढ़ने की पूर्ण संभावना है जो समस्याएं उत्पन्न होगी वे क्षेत्र वासियों के लिए स्वास्थ्यगत परेशानियां खड़े करेंगी वैसे भी बेमेतरा क्षेत्र आज स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर धरातल पर पहुंच चुका है ऐसे में इन उद्योगों के खुलने से बेमेतरा वासियों का जीना मुश्किल हो जाएगा पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि स्पंज आयरन उद्योग खुलने से स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक प्रभाव मिलेगा स्पंज आयरन प्लांट के आसपास की कृषि भूमि तथा पानी के स्रोत प्रदूषित हो जाएंगे जिससे कोहड़िया ग्राम के आसपास के ग्रामों में फसल को नुकसान होगा किसानों के आजीविका प्रभावित होगी पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि इन स्पंज आयरन उद्योग में केवल अकुशल श्रमिकों को ही क्षेत्र से लिया जाएगा जिन्हें कुछ दिन बाद बीमार बनाकर घर में बैठा देंगे इन श्रमिकों का ना कोई स्वास्थ्य बीमा होगा और ना ही इन्हें किसी प्रकार से चिकित्सा लाभ दिया जाएगा ऐसे में बीमार होने के बाद इन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया जाएगा बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र की एक बड़ी आबादी स्पंज आयरन की भेंट चढ़ जाएगी स्पंज आयरन संयंत्र लाल श्रेणी का उद्योग है जिसका अर्थ है प्रदूषण की बहुत अधिक संभावना होती है यह गंभीर स्वास्थ्य संबंधी खतरे पैदा करते हैं निर्माण प्रक्रिया में अत्यधिक ऊष्मा और धुआं निकलता है जिससे अधिक जिनसे कार्बन कण एवं सिल्का निकलते हैं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि कहां है भाजपा के वह नेता जो कभी क्षेत्र में स्पंज आयरन उद्योग खुलने को लेकर बड़ी-बड़ी बातें किया करते थे आज स्पंज आयरन फैक्ट्री का विरोध करने से कतरा रहे हैं चंद पैसों में बिकने वाले यह नेता जनता के नहीं हो सकते इनका मकसद केवल दलाली कमाने का पूर्व में भी रहा है आज महंगी महंगी गाड़ियों में घूमने वाले यह नेता संयंत्र के मालिकों के अहसानो तले दबे हुए हैं जिस कारण से उनकी हिम्मत नहीं है कि स्पंज आयरन फैक्ट्री का विरोध कर सकें और आज भी है यही कारण है कि आज कोई बीजेपी का नेता स्पंज आयरन फैक्ट्री का विरोध नहीं कर रहा है कांग्रेस पार्टी पहले भी जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देती रही है और आज भी कांग्रेस पार्टी जनहित के लिए अपना सर्वस्व निछावर करने को तैयार है स्पंज आयरन फैक्ट्री को लगने से रोकने के लिए हमें अगर बड़ा जन आंदोलन भी खड़ा करना पड़ा तो हम वह भी करने से पीछे नहीं हटेंगे हमें बेमेतरा की मिट्टी से लगाव है और इसके लिए अपनी जान देना पड़े तो भी पीछे नहीं हटेंगे लेकिन किसी भी कीमत पर क्षेत्र को बर्बाद होने नहीं देंगे।

प्रदेश के सभी जिला और इकाइयों में एक साथ बृहद वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा प्रदेश के सभी जिला और इकाइयों में एक साथ बृहद वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उसी क्रम में दल्लीराजहरा इकाई द्वारा भी 07 अगस्त को कुसुमकसा क्षेत्र में संजय बेस के पुष्प वाटिका में चेंबर सदस्यों, व्यापारियों एवं ग्राम वासियों के साथ में एक पेड़ छत्तीसगढ़ महतारी के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डौंडी लोहारा क्षेत्र के छाया विधायक देवलाल ठाकुर के करकमलों से पचास पेड़ लगाये गये। वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल कर रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, वायुप्रदूषण में कमी, और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी से प्रदेश को हरा-भरा और स्वच्छ बनाने में मदद मिलेगी। मुख्य अतिथि देवलाल ठाकुर ने इस मौके पर कहा कि हमारे देश यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह संदेश दिया था कि एक पेड़ माँ के नाम, उसी के तहत चैंबर ऑफ कॉमर्स प्रकृति को बचाने के लिए , प्रकृति को एक अच्छा ऑक्सीजन देने के लिए, पूरे छत्तीसगढ़ मे पेड़ लगाकर, वृक्ष लगाकर, पौधा लगाकर प्रकृति को एक अच्छा संदेश दे रहे है ।इस कार्यक्रम में दल्लीराजहरा चैंबर अध्यक्ष अमित कुकरेजा, महामंत्री भूपेंद्र ड़हरवाल, पूर्व अध्यक्ष शंकर कुकरेजा, प्रमुख सलाहकार संजय बेस,शेखर गुप्ता,राजेश पटेल,पंकज छाजेड़,दिनेश जैन,संतोष जैन, पूर्व मंडल अध्यक्ष दल्ली महेश पांडे, नगर पालिका पार्षद सर्वजीत सिंह, गजेंद्र सिन्हा, संतोष जैन,पुष्पजीत बैस, कमलकांत साहू,मोनू गुप्ता, दीपक यादव, देवराज जैन,मोती कुचेरिया, कुसुमकसा के गणमान्य व्यापारीगण, ग्रामवासी एवं अन्य चैम्बर सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

अपहरण और फिरौती की सनसनी खेज वारदात, दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में अपहरण और फिरौती का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। बसंतपुर थाना क्षेत्र में रहने वाले विजय मरकाम को 6 अगस्त को बहाने से बुलाकर कार में जबरन बैठाया गया और उत्तर प्रदेश के बीजपुर ले जाकर बंधक बना लिया गया। आरोपियों ने उसे एक मोबाइल टावर के पैनल रूम में छिपाकर रखा और उसके भाई बृजेश सिंह मरकाम से 3 लाख रुपये की फिरौती की मांग की। फिरौती नहीं देने पर युवक की हत्या की धमकी दी गई। यह मामला तब सामने आया जब 7 अगस्त को विजय ने खुद अपने भाई को कॉल कर बताया कि वह तीन अज्ञात व्यक्तियों के साथ है। कॉल के दौरान एक आरोपी ने फोन छीनकर सीधे फिरौती की मांग की और शाम तक रकम नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। 8 अगस्त को बृजेश ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने तकनीकी सहायता से विजय के मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की और पाया कि वह बीजपुर, उत्तर प्रदेश में है। विशेष टीम ने वहां दबिश देकर विजय को सुरक्षित छुड़ा लिया और दो आरोपियों सद्दाम अंसारी और रोहित कुमार चौरसिया को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल किया। पुलिस ने उनके पास से अपहरण में इस्तेमाल की गई कार और मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। अपहृत युवक विजय मरकाम ने बताया कि आरोपी उसे प्रेमनगर चौक से यह कहकर ले गए कि लकड़ी देखने चलना है और बाद में बीजपुर ले जाकर बंधक बना लिया। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपियों को विजय पर लकड़ी की तस्करी में मुखबिरी करने का शक था और उन्होंने नुकसान की भरपाई के नाम पर फिरौती की मांग की थी। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है, लेकिन पुलिस की तत्परता और सक्रियता से एक बड़ा हादसा टल गया और युवक को सकुशल वापस लाया गया। फिलहाल मामला जांच के अधीन है और पुलिस अन्य पहलुओं की भी पड़ताल कर रही है।

नौकरी लगाने के नाम पर ठगी, एक महिला गिरफ्तार

रायपुर। नौकरी दिलाने के नाम ठगी करने वाली महिला रूखसार खान को आज बोधघाट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एसपी शलभ सिंहा के मुताबिक जिले के थाना बोधघाट में नौकरी लगाने के नाम पर ठगी के मामलों को लेकर प्रार्थी संजय कुमार कड़ियाम तथा महेंद्र सिंह सोढ़ी द्वारा रिपोर्ट दर्ज करायी गयी थी कि, रुखसार खान नामक महिला द्वारा गीदम जावंगा शिक्षा विभाग में बड़े अधिकारियों से परिचय होना बताकर प्यून के लिए 50 हजार एवं कंप्यूटर ऑपरेटर के लिए एक लाख की मांग कर नौकरी लगाने के नाम से डेढ़ लाख रुपए लेकर तथा गीदम जनपद पंचायत कार्यालय में अपने आप को काम करना बताकर प्यून के लिए ढ़ाई लाख रुपए मांग कर 50 हजार रुपए लेकर ठगी करने की रिपोर्ट पर, थाना बोधघाट में अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्यवाही हेतु टीम तैयार की गयी, उक्त टीम द्वारा आरोपिया रुखसार खान उम्र 38 साल, संतोषी वार्ड, जगदलपुर को अभिरक्षा में लेकर पूछ-ताछ कर मेमोरेंडम लेकर आरोपिया से घटना में प्रयुक्त मोबाइल जप्त कर तथा अन्य गवाहों का कथन लेकर पर्याप्त सबूत पाए जाने से महिला आरोपी रुखसार खान को आज गिरफ्तार किया गया है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जरिये भर्ती एक डॉक्टर फर्जी निकला

रायपुर। सात सालों से मरीजों का ईलाज कर रहा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जरिये भर्ती एक डॉक्टर फर्जी निकला। इसका खुलासा तब हुआ जब कथित डॉक्टर की डिग्री आरटीआई के जरिये मांगी गई। जिसके बाद फर्जी डॉक्टर को एनएचएम द्वारा बर्खास्त कर दिया गया है। फर्जी डॉक्टर नाम है राहुल अग्रवाल बताया जा रहा है। बता दें कि एक आरटीआई कार्यकर्ता ने डॉ. भीमराव आंबेडकर अस्पताल के सीएमएचओ और एनएचएम छत्तीसगढ़ से राहुल अग्रवाल की डिग्री और रजिस्ट्रेशन की जानकारी मांगी, जिसके बाद एनएचएम ने राहुल को दस्तावेज जमा करने के लिए नोटिस जारी किया, लेकिन वह कई बार समय दिए जाने के बावजूद कोई प्रमाण पेश नहीं कर सका। दस्तावेज न देने पर राहुल ने हाईकोर्ट से अतिरिक्त समय मांगा। कोर्ट ने उसे 90 दिन का समय दिया, फिर भी वह दस्तावेज जमा नहीं कर सका। एक माह का और समय मिलने के बावजूद नतीजा वही रहा। आखिरकार एनएचएम ने उसकी सेवाएं समाप्त कर दीं हैं। बताया जाता है कि राहुल अग्रवाल की नियुक्ति 2018 में एनएचएम छत्तीसगढ़ के माध्यम से हुई थी। पहले वह रायपुर के खोखोपारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ था और बाद में मठपुरैना पीएचसी में कार्यरत रहा। इतना ही नहीं, वह जिला अस्पताल में भी करीब एक साल तक मरीजों का इलाज करता रहा। उसके पास न तो एमबीबीएस की डिग्री थी और न ही उसका मेडिकल काउंसिल में पंजीयन था।

शराब परिवहन करते एक आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर की विधानसभा थाना पुलिस ने अवैध रूप से शराब परिवहन करते आरोपी गुलशन कुमार गेण्डरे को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 09.08.2025 को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना विधानसभा क्षेत्रांतर्गत स्थित ग्राम मांढर कच्ची रोड की ओर से बिना नम्बर एक्टिवा वाहन में सवार एक व्यक्ति अपने पास शराब रखा है तथा मेन रोड की ओर जा रहा है, कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना विधानसभा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मुखबीर द्वारा बताये वाहन एवं हुलिये के व्यक्ति की पतासाजी करते हुये व्यक्ति को पडाव पारा मांढर मेन रोड विधानसभा पास चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम गुलशन कुमार गेण्डरे निवासी विधानसभा रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके पास रखें थैले की तलाशी लेने पर थैलों में शराब रखा होना पाया गया। शराब रखने एवं परिवहन करने के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग करने पर उसके द्वारा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज प्रस्तुत न कर टीम के सदस्यों को लगातार गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा था। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी गुलशन कुमार गेण्डरे को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध रूप से रखें 200 पौवा देशी शराब एवं शराब परिवहन में प्रयुक्त बिना नंबर एक्टिवा वाहन जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना विधानसभा में अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने खरसिया में वरिष्ठ व्यवहार न्यायालय और रायगढ़ में डिजिटल कंप्यूटर कक्ष का किया लोकार्पण

छत्तीसगढ़ राज्य का न्यायालयीन बुनियादी ढांचा हो रहा बेहतर-रमेश सिन्हा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा ने आज छत्तीसगढ़ न्यायपालिका में न्यायिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम के साथ जिला रायगढ़ के बाह्य न्यायालय खरसिया में वरिष्ठ श्रेणी के व्यवहार न्यायाधीश के लिए नवीन वरिष्ठ व्यवहार न्यायालय का लोकार्पण किया। मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा ने जिला न्यायालय रायगढ़ में डिजिटल कंप्यूटर कक्ष, बाह्य न्यायालय घरघोडा में अधिवक्ता कक्ष एवं डिजिटल कंप्यूटर कक्ष भी लोकार्पण और बाह्य न्यायालय भटगाँव एवं बिलाईगढ़ में न्यायिक अधिकारियों के आवास निर्माण हेतु भूमि पूजन एवं शिलान्यास वर्चुअल माध्यम से किया। इस कार्यक्रम में न्यायमूर्ति श्री संजय के. अग्रवाल पोर्टफोलियो न्यायाधीश, जिला रायगढ़ वर्चुअल माध्यम से तथा अन्य न्यायाधीशगण छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर की वर्चुअल लिंक के माध्यम से गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा ने अपने प्रभावशाली उद्बोधन में व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ राज्य में जिला न्यायपालिका के सुधार के लिए विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रख रहे हैं। राज्य सरकार के साथ समन्वय में उच्च न्यायालय का यह कर्तव्य है कि वह छत्तीसगढ़ राज्य की जिला न्यायपालिका को सर्वोत्तम बुनियादी ढांचा प्रदान करें, जिससे छत्तीसगढ़ राज्य की जिला न्यायपालिका का दरवाजा खटखटाने वाले व्यक्तियों को स्वच्छ एवं सुविधायुक्त कार्य वातावरण में सक्षम, तत्पर और त्वरित न्याय प्राप्त हो सकें। मुख्य न्यायाधिपति श्री सिन्हा द्वारा यह विशेष रूप से व्यक्त किया गया कि किसी भी संस्थान में अधोसंरचना का निर्माण और विकास उस संस्थान से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का मनोबल बढ़ाते हैं। नवीन वरिष्ठ व्यवहार न्यायालय खरसिया के शुभारंभ के साथ-

साथ खरसिया क्षेत्र के समस्त पक्षकार, अधिवक्तागण को सुविधायुक्त वातावरण में शीघ्र न्याय प्राप्त हो सकेगा। इसी प्रकार जिला न्यायालय रायगढ़ एवं बाह्य न्यायालय घरघोड़ा में डिजिटल कंप्यूटर कक्ष स्थापित होने से न्यायालयीन अभिलेख सुरक्षित होने के साथ-साथ पक्षकारों को डिजिटल प्रारूप में प्राप्त हो सकेगा। बाह्य न्यायालय घरघोड़ा में अधिवक्तगण हेतु नवीन अधिवक्ताकक्ष के निर्माण होने से अधिवक्तागण को सम्मानपूर्वक जगह उपलब्ध हो सकेगा। जिला एवं बाह्य न्यायपालिका के पक्षकार, अधिवक्तागण, न्यायालयीन अधिकारीगण सहित कर्मचारीगण को बेहतर सुविधायुक्त एवं आधुनिक अधोसंरचना प्राप्त होने से बेहतर कार्य-वातावरण निर्मित होगा और न्यायिक प्रक्रिया में तेजी के साथ उच्च गुणवत्तायुक्त न्याय सुविधापूर्वक सुलभ हो सकेगा। यह उल्लेखनीय है कि मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा द्वारा पद भार ग्रहण करने के पश्चात् सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य के दूरस्थ जिला मुख्यालय एवं बाह्य न्यायालयों का भ्रमण कर न्यायिक अधोसंरचना एवं आवश्यक सुविधाओं का अभाव होने से पक्षकारों, अधिवक्तागण, न्यायिक कर्मचारी एवं अधिकारियों को होने वाली असुविधा को दृष्टिगत रखते हुये दूरदर्शिता पूर्ण एवं सकारात्मक सोच के भागीरथ प्रयास किये जा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में न्यायिक अधोसंरचना में अभूतपूर्व विकास का कार्य हो रहा है, जिससे अधिकारी एवं कर्मचारियों की कार्यक्षमता में वृद्धि होने के साथ पक्षकारों को सुविधायुक्त वातावरण शीघ्र न्याय प्राप्त करने की परिकल्पना साकार हो रही है। उपरोक्त भूमिपूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम की शुरुआत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रायगढ़ के स्वागत भाषण से हुई और समापन जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एफटी.एस.सी (पॉक्सो) कोर्ट रायगढ़ के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

लापता नाबालिग बच्ची को खोजने एसएसपी को ज्ञापन दिया गया कन्हैया अग्रवाल ने.....

- एसएसपी डॉ. उमेद सिंह ने दिए तत्काल टीम भेजने के निर्देश
- 22 दिनों बाद भी कोई पता शाजी नहीं हो पाना पुलिसिया कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह है

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल के साथ चंद्रशेखर आजाद वार्ड गोकुल नगर की रहने वाली बच्ची के परिजनों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह से भेंट कर 22 दिनों से लापता नाबालिक बच्ची को ढूंढने में बढ़ती जा रही लापरवाही की शिकायत करते हुए तत्काल बच्ची की तलाश करने हेतु मांग् की। कांग्रेस महामंत्री द्वारा जारी की गई विज्ञप्ति के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह ने तत्काल थाना प्रभारी और संबंधितों को निर्देश दिए की संभावित स्थलों पर तुरंत टीम रवाना की जाए। उल्लेखनीय है कि नाबालिग बच्ची को गुमशुदा हुए 22 दिन हो गए हैं। टिकरापारा थाने में मामला दर्ज है, बड़े अफसरों के दफ्तर में भी आवेदन दिए हैं लेकिन आज दिनांक तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है । जिस लड़के के साथ वह लड़की गायब होने की संभावना बताई जाती है उसका मोबाइल चालू है , और उसी दिन से वह भी घर से बाहर है ।

टिकरापारा थाने में बच्ची के परिजनों द्वारा फोन नंबरों की भी जानकारी दी गई पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है वह चिंताजनक मामला है। लड़की मात्र 13 वर्ष की है। श्री अग्रवाल ने कहा कि मजदूरी करके घर पालने वाली गरीब महिला अपनी बिटिया की तलाश में दफ्तर-दफ्तर भटक रही है। 22 दिनों बाद भी कोई पता शाजी नहीं हो पाना पुलिसिया कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह है। आज हमने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय से भेंट कर घटना के संदर्भ में पूरी जानकारी देकर तत्काल इस मामले में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने हेतु निवेदन किया। एसपी में मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल थाना प्रभारी और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया की बच्ची की तलाश के लिए आज ही संभावित स्थानों पर पुलिस टीम रवाना की जाए और इस मामले में किसी तरह की कोई कोताही ही ना बढ़ती जाए। प्रतिनिधि मंडल में महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव श्रीमती सुषमा ध्रुव, असंगठित क्षेत्र समस्या निवारण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सिद्दीक, सामाजिक कार्यकर्ता शिफा अली (निक्की) एवं बच्ची के परिजन शामिल थे।

आदि कर्मयोगी अभियान रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस प्रोग्राम की रायपुर में हुई शुरूआत

- मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन 12 अगस्त को करेंगे कार्यक्रम का उद्घाटन

रायपुर/ संवाददाता

जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के मुख्य तत्वाधान में आदि कर्मयोगी अभियान-रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस प्रोग्राम की रायपुर में आज शुरूआत हुई। इस महत्वाकांक्षी अभियान में बीआरएलएफ (भारत ग्रामीण आजीविका मिशन) द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जबकि आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग इसका आयोजक है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जनजातीय विकास और परिवर्तन के लिए व्यक्तियों और संस्थाओं को सशक्त बनना है, ताकि जमीनी स्तर पर आ रही समस्याओं को जानकर उन्हें दूर करने के लिए एक प्रभावी योजना बनाई जा सके। इसी के अंतर्गत आज स्टेट प्रोग्रेसिव लैब की शुरूआत होटल बेबीलॉन इन्टरनेशनल, रायपुर में शुरूआत हुई। इस अभियान के अंतर्गत जिला मास्टर्स ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया जाना है। दो चरणों में संपादित होने वाले इस कार्यक्रम का प्रथम चरण 11 से 14 अगस्त एवं दूसरा चरण 18 से 21 अगस्त तक आयोजित किया जाना है। प्रथम चरण में आज तीन संभाग बिलासपुर, रायपुर एवं दुर्ग के जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित हुए। आज का सेशन बहुत ही उपयोगी एवं रोमांचक रहा इसमें उपस्थित मास्टर ट्रेनर्स के मध्य कुछ एक्टीविटीस करवाई गई एवं उनके सुझाव आमंत्रित किये गये। मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण के प्रथम चरण के अंतर्गत आदिम जाति विभाग, शिक्षा विभाग पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 100 से अधिक चयनित मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित हुए। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन के मुख्य आतिथ्य में 12 अगस्त को इस कार्यक्रम का उद्घाटन होगा। इसमें विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर के अलावा तथा स्कूल शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव उपस्थित होंगे।

प्रोजेक्ट सम्पूर्ण के तहत लाभार्थियों के समग्र विकास की पहल तेज़.....

- पात्र हितग्राहियों का सामाजिक एवं आर्थिक विकास सुनिश्चित करें

रायपुर/ संवाददाता

जिले में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत चयनित लाभार्थियों को केवल आवास तक सीमित न रखकर उन्हें सभी आवश्यक शासकीय योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित 'प्रोजेक्ट सम्पूर्ण' की समीक्षा बैठक आज रेडक्रॉस सभागार में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि प्रोजेक्ट सम्पूर्ण का मूल उद्देश्य लाभार्थियों का समग्र सामाजिक एवं आर्थिक विकास सुनिश्चित करना है। इसके तहत प्रत्येक हितग्राही के घर जाकर उन्हें विभिन्न योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति किसी भी मूलभूत सुविधा से वंचित न रह जाए। कलेक्टर ने हर घर नल कनेक्शन, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान कार्ड, महतारी वंदन योजना में पंजीयन संख्या, कौशल प्रशिक्षण हेतु इच्छुक लाभार्थियों की पहचान, श्रमिक पंजीयन, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड (चयष्ट), ड्राइविंग लाइसेंस, जन धन योजना के तहत बैंक खाता, अटल पेंशन योजना, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के बिंदुओं पर प्रोजेक्ट की समीक्षा की। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि फील्ड टीम द्वारा घर-घर जाकर जानकारी संग्रहित की जाए और पात्र लाभार्थियों को तुरंत संबंधित योजनाओं से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि यह पहल शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

तेलीबांधा तालाब में डूबकर युवक की मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर के तेलीबांधा मरीन ड्राइव स्थित तालाब में डूबकर एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान हनी मानिकपुरी (24 वर्ष) के रूप में हुई है, जो मूलत: बालोद जिले का निवासी था और रायपुर में एक निजी कंपनी में काम करता था। मिली जानकारी के अनुसार मृतक हनी मानिकपुरी अपने दो दोस्तों के साथ मरीन ड्राइव घूमने आया था। इस दौरान दो युवक तालाब में नहा रहे थे और हनी भी उन्हें देखकर तैरना नही आने के बावजूद पानी में उतर गया और वह धीरे-धीरे गहरे पानी में चला गया। पानी की गहराई बढ़ने के कारण वह डूबने लगा और कुछ ही देर में पानी के नीचे चला गया। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। तुरंत सूचना मिलने पर तेलीबांधा पुलिस और गोताखोर दल घटनास्थल पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

आम नागरिकों से बेहतर व्यवहार के दिए निर्देश

पुलिस के लिए जनता के मन में सम्मान और अपराधियों में भय होना चाहिए

- गृहमंत्री ने पूरी ताकत के साथ आपराधियों के विरूद्ध कठोरता से कार्रवाई के दिए निर्देश
- पुलिस अधीक्षक जिले के कॉलेज और स्कूलों का महीने में एक बार अवश्य करें भ्रमण

रायपुर/ संवाददाता

उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने आज सरगुजा कोर्डिनेशन सेंटर में सरगुजा रेंज अंतर्गत सभी पुलिस अधीक्षकों की उच्चस्तरीय बैठक ली। बैठक में उन्होंने कानून-व्यवस्था की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की और पुलिस तंत्र को अधिक प्रभावी, संवेदनशील और जवाबदेह बनाने के सख्त निर्देश दिए। बैठक में श्री शर्मा ने स्पष्ट कहा कि कानून का राज स्थापित करना और अपराधियों के मन में भय पैदा करना पुलिस की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। गंभीर अपराधों के मामलों में दोष सिद्धि की दर बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने सभी जिलों में मामलों की नियमित और वैज्ञानिक मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पुलिस अधीक्षक न केवल अपने कार्यालय में आने वाले लोगों से समय पर मिलें, बल्कि अधीनस्थ पुलिसकर्मियों से भी संवाद कर उनकी समस्याओं और जरूरतों को समझें। उन्होंने पुलिस अधीक्षकों से कहा कि जिले के कॉलेज और स्कूलों का महीने में एक बार भ्रमण अवश्य करें और थानों में अनुशासन के लिए एसपी-एसएसपी और डीएसपी प्रत्येक सप्ताह परेड भी कराए। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह श्री मनोज पिंगुवा, आईजी पीएचक्यू श्री अजय यादव, आईजी सरगुजा श्री दीपक झा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अलावा सरगुजा रेंज के बलरामपुर-रामानुजगंज, जशपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, और सरगुजा जिले के पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बैठक में मानव तस्करी, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध, अवैध हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे गंभीर अपराधों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई पर जोर दिया गया। एनडीपीएस एक्ट के मामलों में एंड-टू-एंड इन्वेस्टिगेशन सुनिश्चित करने और दोषियों को कठोर सजा दिलाने की बात कही गई। अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाने, चिटफंड कंपनियों के मामलों की गंभीरता से जांच करने और निवेशकों को धनवापसी की कार्यवाही तेज करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ब्लैक स्पॉट की पहचान कर सुधारात्मक कदम उठाने, यातायात प्रबंधन को मजबूत बनाने और ट्रैफिक पुलिस की सक्रियता बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यातायात व्यवस्था में सुधार केवल पुलिस का नहीं बल्कि प्रशासन और समाज का साझा दायित्व है। उन्होंने सभी स्कूलों और कॉलेजों में ड्रग-फ्री कैंपस अभियान चलाने, छात्रों में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने और सामुदायिक पुलिसिंग के जरिए जनता और पुलिस के बीच भरोसे का रिश्ता मजबूत करने की आवश्यकता बताई। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने साइबर क्राइम की रोकथाम के लिए विशेष प्रशिक्षण, बीट प्रणाली की नियमित समीक्षा और 'समाधान ऐप' के प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। उन्होंने निर्देश दिया कि ग्राम सभाओं और जनसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से जनता को पुलिस से जोड़ा जाए, ताकि लोग पुलिस को अपना मित्र और संरक्षक मानें। बैठक के अंत में उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने दो टूक कहा कि पुलिस की कार्यवाही ऐसी होनी चाहिए।

संपादकीय

पहाड़ों को मैदान बनाने की सजा भुगत रहा उत्तरकाशी

उत्तराखंड में उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में बादल फटने से आई बाढ़ का दृश्य रोंगटे खड़े कर देने वाला था। पानी और मलबे का बहाव इतना तेज था कि बड़ी-बड़ी इमारतें पलक झपकते ही तिनकों की तरह बिखर गईं। कई लोगों को अपनी जान बचाने का मौका ही नहीं मिल पाया। गांव का करीब आधा हिस्सा मलबे के नीचे दब गया है। पचास से ज्यादा लोग अभी लापता हैं, जिनमें ग्यारह सैन्य कर्मी भी शामिल हैं। इस हादसे में जानमाल का कितना नुकसान हुआ, इसका आकलन तो बचाव एवं राहत अभियान पूरा होने के बाद ही हो पाएगा, लेकिन इस भयावह तस्वीर ने फिर इस बात का अहसास कराया है कि हमने पुराने हादसों से कोई सबक नहीं लिया।इस घटना ने वर्ष 2013 में केदारनाथ में आई बाढ़ की त्रासदी की याद दिला दी है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की जान गई थी। तब पहाड़ी प्रदेशों में नदियों के किनारे और संवेदनशील क्षेत्रों में मानव बसावट तथा अंधाधुंध निर्माण कार्य को लेकर सवाल उठे थे, जो आज भी कायम हैं।बरसात के समय पहाड़ी इलाकों में बादल फटने की घटनाएं पहले भी होती रही हैं, लेकिन पिछले एक दशक में इस तरह के हादसों में तेजी आई है। खासकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में ऐसी घटनाएं बढ़ी हैं। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि इसका एक कारण इन दोनों राज्यों में क्षेत्रीय जलचक्र में हो रहा बदलाव है। बरसात में सामान्य से कम या ज्यादा बारिश होना तो आम है, लेकिन एक साथ तेज बारिश या बादल फटने का क्रम बढ़ रहा है।वैज्ञानिकों का कहना है कि पहाड़ी राज्यों में जलवायु परिवर्तन तेजी हो रहा है और जंगलों की कटाई तथा अवैज्ञानिक तरीके से बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य इसका प्रमुख कारण है। यह सही है कि पहाड़ी इलाकों में स्थानीय लोगों को सड़क, पक्के घर और अन्य सुविधाएं मुहैया कराना जरूरी है, लेकिन विकास के इस क्रम में पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखना भी बहुत आवश्यक है। पर्यावरण असंतुलन बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं को जन्म देता है।पहाड़ी राज्यों में पर्यटन राजस्व और लोगों की आजीविका का बड़ा साधन है। पिछले कुछ वर्षों से उत्तराखंड और हिमाचल में पर्यटन के नए-नए स्थल विकसित हो रहे हैं। इन स्थलों पर सड़कों और ढांचागत निर्माण पर ज्यादा जोर है। बाढ़ग्रस्त धराली गांव भी इनमें से एक है। यह खीरगंगा नदी के किनारे बसा है और गंगोत्री धाम से करीब बीस किलोमीटर पहले पड़ता है तथा श्रद्धालुओं की यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। पर्यटन की वजह से यहां नदी के किनारे बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी कर दी गईं, जिनमें से कई बाढ़ में ध्वस्त हो गईं।ऐसे में सवाल है कि शासन-प्रशासन की ओर से प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों में मानव बसावट के लिए ठोस नियम-कायदे क्यों नहीं लागू किए जाते? ऐसे इलाकों में नदी-नालों के किनारे बसे गांवों को समय रहते दूसरी जगह स्थानांतरित क्यों नहीं किया जाता, जबकि हर साल बरसात के मौसम में बाढ़ की वजह से कई लोगों की जान चली जाती है। अब समय आ गया है कि राज्य सरकारें इस ओर गंभीरता से ध्यान दें। आमजन भी अपनी सुरक्षा को लेकर सतर्क रहें। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो धराली जैसी आपदाएं बार-बार होंगी।

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं।

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक?

(ललित गर्ग)

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें।

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरुआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र।

विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं।

विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, संसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है। चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारुरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए।

संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बर्बादी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गूंजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अपंग ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है।' लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मर्यादा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं। जब तक संसद के सदस्य यह नहीं समझेंगे कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं, न कि अपने दल के प्रचारक, तब तक दिशा भटकती रहेगी।

विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है, जनता का दबाव। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुप राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच लोक का मंदिर है, तो वहाँ केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वोट बैंक लालच ने बर्बाद किया हिमाचल-उत्तराखंड को

(योगेंद्र योगी)

विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार और डेवलपर्स पर्यावरणीय प्रभावों को नजरअंदाज कर रहे हैं। हिमाचल में 174 छोटे-बड़े हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स हैं, जो 11,209 मेगावाट बिजली पैदा करते हैं। इन प्रोजेक्ट्स के लिए पहाड़ों को काटा जाता है।

लोकतंत्र में चुनी हुई सरकारों से यह अपेक्षा की जाती है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए दूरदृष्टि के साथ दूरगामी विकास को सिरे चढ़ाया जाए। इसके विपरीत नेताओं को सिर्फ वोट बैंक की चिंता है। इसके लिए तात्कालिक विकास की नीतियों के फायदे के लिए लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने के साथ ही पर्यावरण के विनाशकारी प्रभावों की अनदेखी करना आम है। यही वजह है कि हिमाचल सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने तगड़ी लताड़ लगाई है। कोर्ट ने कहा कि अगर अनियंत्रित विकास और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियां नहीं रोकी गई, तो एक दिन पूरा हिमाचल नक्शे से गायब हो सकता है। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब हिमाचल में बदलते पर्यावरण को लेकर चिंताएं बढ़ती जा रही हैं और विकास के नाम पर अंधाधुंध पेड़ काटे जा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की इस कड़ी टिप्पणी के अगले ही दिन उत्तराखंड के चमोली में चमोली जिले में हेलंग के समीप निर्माणाधीन एक हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट साइट के पास पहाड़ एक बार फिर से ढहकर धड़ाम से नीचे गिर गया। इस हादसे में कंपनी के 8 मजदूर घायल हो गए। साइट पर हादसे के वक्त करीब 300 मजदूर थे। जहां पर लैंडस्लाइड हुआ वहां पर 70 के करीब मजदूर कार्य कर रहे थे। ऐसे हादसों के बावजूद हिमालयी क्षेत्र के राज्यों की सरकारों ने कोई सबक नहीं सीखा है। इन राज्यों में विकास के नाम पर बर्बादी की कहानी लिखी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि कहा कि सरकारों का मकसद राजस्व बढ़ाना नहीं बल्कि पर्यावरण को बचाना होना चाहिए खासकर ऐसे संवेदनशील इलाकों में। कोर्ट ने यह टिप्पणी एक होटल कंपनी की याचिका खारिज करते हुए की। यह कंपनी जून 2025 की उस अधिसूचना के खिलाफ थी, जिसमें हिमाचल के श्री तारा माता हिल को ग्रीन एरिया घोषित कर नई प्राइवेट कंस्ट्रक्शन पर रोक लगा दी गई थी। बेंच ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। इस साल भी बाढ़ और भूस्खलन में सैकड़ों लोग मारे गए और हजारों घर तबाह हो गए। यह साफ है कि प्रकृति इंसानी गतिविधियों से नाराज है। कोर्ट ने आगे कहा कि केवल प्रकृति को दोष देना गलत है। हिमाचल में पहाड़ों का खिसकना, सड़कों पर लैंडस्लाइड, मकानों का गिरना और सड़क धंसना, ये सब इंसानों की छेड़छाड़ का नतीजा है।

कोर्ट ने भाखड़ा और नाथपा झाकड़ी जैसे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिना सही भूगर्भ जांच और पर्यावरण अध्ययन के ये प्रोजेक्ट्स पहाड़ों को कमजोर कर रहे हैं। न्यूनतम जल प्रवाह का पालन न होने से नदियों में जलीय जीवन खत्म हो रहा है। आज सतलुज नदी एक नाले जैसी हो गई है। कोर्ट ने साफ किया कि अब समय रहते सख्त कदम न उठाए गए तो हिमाचल का अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है। गौरतलब है कि पिछले एक सदी में हिमाचल प्रदेश में औसत तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। यह जलवायु परिवर्तन का एक स्पष्ट संकेत है, जिसके कारण हिमाचल प्रदेश में आपदाओं की संख्या में तापमान में वृद्धि के कारण, बारिश की तीव्रता और आवृत्ति में वृद्धि हुई है, जिससे बाढ़ और भूस्खलन जैसी आपदाएँ आ रही हैं। हिमाचल के पांच जिले (चंबा, हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी) भूकंप के लिए अति संवेदनशील क्षेत्र में आते हैं। भूकंप और लगातार बारिश से पहाड़ कमजोर हो जाते हैं, जिससे भूस्खलन की घटनाएं बढ़ती हैं। हिमाचल में लगभग 58.36 प्रतिशत भूमि तीव्र मिट्टी कटाव के खतरे में है। भारी बारिश के कारण मिट्टी बह जाती है, जिससे पहाड़ों की स्थिरता कम होती है और भूस्खलन का खतरा बढ़ता है। हिमाचल में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इससे नदियों में पानी का स्तर बढ़ जाता है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ता है। हिमाचल में अनियोजित-अवैज्ञानिक विकास कार्यों ने आपदाओं को और बढ़ावा दिया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार और डेवलपर्स पर्यावरणीय प्रभावों को नजरअंदाज कर रहे हैं। हिमाचल में 174 छोटे-बड़े हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स हैं, जो 11,209 मेगावाट बिजली पैदा करते हैं। इन प्रोजेक्ट्स के लिए पहाड़ों को काटा जाता है। नदियों का प्रवाह बाधित होता है। वर्ष 2023 में कुल्लू और सैंज वैली में मलाना, सैंज और पार्वती प्रोजेक्ट्स के पास भारी नुकसान हुआ। मंडी, कुल्लू और शिमला में सड़क निर्माण के कारण बारिश में स्लिप और भूस्खलन की घटनाएं आम हैं। शिमला जैसे शहरों में बहुमंजिला इमारतें बन रही हैं, जो पर्यावरणीय चेतावनियों को नजरअंदाज करती हैं। हिमाचल में जंगलों को काटकर बिजली प्रोजेक्ट्स, सड़कों और पर्यटन के लिए जगह बनाई जा रही है।

वर्ष 1980 से 2014 तक किन्नौर में 90 प्रतिशत जंगल गैर-वन गतिविधियों के लिए हस्तांतरित किए गए, जिससे जैव विविधता और मिट्टी की स्थिरता को नुकसान हुआ। हिमाचल में हर साल लाखों पर्यटक आते हैं, खासकर कुल्लू, मनाली और शिमला जैसे क्षेत्रों में। इससे पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है। होटल, रिसॉर्ट्स और अन्य निर्माण कार्यों के लिए पहाड़ों को काटा जाता है। कचरे का उचित प्रबंधन नहीं होता। इससे जल स्रोत और नदियां प्रदूषित होती हैं। बाढ़ जैसी स्थिति बनती है। पिछले कुछ सालों में हिमाचल में आपदाओं की संख्या और तीव्रता बढ़ी है।

पीडीए पाठशाला- शिक्षा का अपहरण या विचारधारा का विषपान

समाजवादी पार्टी द्वारा आरंभ की गई तथाकथित पीडीए पाठशाला कोई शैक्षणिक नवाचार नहीं, बल्कि एक सुनियोजित राजनीतिक कूटचाल है, जिसमें शिक्षा को संकीर्ण सोच, सांप्रदायिक समीकरण और सत्ताकांक्षा का औजार बना दिया गया है। यह उस वैचारिक बुखार का विस्तार है, जो बालक के मन में वर्णमाला के माध्यम से वंशवाद बोने का दुस्साहस करता है।

(प्रणय विक्रम सिंह)

जब पाठशाला को पार्टीशाला बना दिया जाए, जब वर्णमाला में वंशवाद घुल जाए, जब बालकों के भोलेपन पर बौखलाहट की बिसात बिछाई जाए तब समझिए, शिक्षा नहीं, सियासत का षड्यंत्र चल रहा है।

समाजवादी पार्टी द्वारा आरंभ की गई तथाकथित पीडीए पाठशाला कोई शैक्षणिक नवाचार नहीं, बल्कि एक सुनियोजित राजनीतिक कूटचाल है, जिसमें शिक्षा को संकीर्ण सोच, सांप्रदायिक समीकरण और सत्ताकांक्षा का औजार बना दिया गया है। यह उस वैचारिक बुखार का विस्तार है, जो बालक के मन में वर्णमाला के माध्यम से वंशवाद बोने का दुस्साहस करता है।

'ए फार अखिलेश' बी फार बाबा साहेब, सी फार चरण सिंह, एम फार मुलायम सिंह, बाय फार यादव' यह कोई शब्दावली नहीं, समाजवादी संकीर्णता का संकेतमंत्र है। यह वर्णमाला नहीं, वोटमाला है। यह वह प्रयोग है, जो बच्चों को पठन नहीं, पक्षपात सिखाता है। यह शिक्षा नहीं, शब्दों के माध्यम से सत्ता की संकल्पना को संचित करने की योजना है।

विडंबना यह है कि शिक्षा के जो स्वयंभू प्रवक्ता आज पीडीए का पाठ पढ़ा रहे हैं, उनके ही शासनकाल (2012-2017) में उत्तर प्रदेश के सरकारी विद्यालय उपेक्षा, भ्रष्टाचार और दुर्गति के जीते-जागते उदाहरण थे।

समाजवादी सरकार ने शिक्षा को न प्राथमिकता दी, न प्रतिष्ठा। सरकारी आंकड़े चीख-चीखकर बताते हैं कि उस काल में 64,000 से अधिक विद्यालयों में शौचालय, पीने का पानी और ब्लैकबोर्ड जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं थीं। 80,000 से अधिक शिक्षक पद रिक्त पड़े रहे, भर्तियां जातिगत जोड़-घटाव और चहेते समीकरणों पर टिकी रहीं। मिड डे मील योजना में दूध में पानी नहीं, पानी में दूध निकला और कभी-कभी उसमें छिपकलियां भी। कई विद्यालय चुनावी बैठकें और राजनीतिक प्रशिक्षण केंद्र बन गए। जो भवन शिक्षा के मंदिर थे, वहां न छात्रों की उपस्थिति थी, न संस्कारों की प्रतिष्ठा।

अब जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने 'पेयरिंग नीति' लागू कर बिखरे हुए विद्यालयों को एकीकृत किया, शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित की, और बच्चों को सशक्त शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में 'मिशन कायाकल्प' के माध्यम से बुनियादी ढांचे में ऐतिहासिक सुधार किए तब वही समाजवादी पार्टी इसे 'विद्यालय बंदी' का नाम देकर राजनीतिक भ्रामकता का ब्रह्मास्त्र चला रही है। लेकिन तथ्य यही कहते हैं 1.38 लाख विद्यालयों में शौचालय, रंग-रोगन, स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय, फर्नीचर, और बाउंड्री वॉल जैसी आवश्यक सुविधाएं दी गई। बच्चों को ड्रेस, जूते, बैग आदि के लिए अब डीबीटी के माध्यम से धन दिया जा रहा है।

कहने का अर्थ यह है कि जब योगी सरकार स्कूलों को संस्कार की संवाहिका बना रही है, समाजवादी पार्टी उन्हें समीकरण की संधि भूमि बनाना चाहती है।

पीडीए पाठशाला दरअसल समाजवादी पार्टी की जातीय राजनीति का 'शैक्षिक संस्करण' है। यह कोई प्रयोग नहीं, पीढ़ियों को पार्टी की परिधि में बांधने का प्रयास है। 'पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक' इस तिकड़ी को एक कृत्रिम वर्ग के रूप में स्थापित कर बालकों को यह बोध देना कि वे एक उत्पीड़ित समुदाय से आते हैं, और समाजवादी पार्टी ही उनका तारक है, एक वैचारिक वैचारिक विषवमन है। यह शिक्षण नहीं, शिकार है, बालबुद्धि के साथ भी, और संविधान की भावना के साथ भी।

यह योजना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21(ए) के स्पष्ट उल्लंघन के साथ-साथ एनसीआरसी जैसे अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकार संधियों के भी प्रतिकूल है। ये संधियां बच्चों को राजनीतिक तटस्थता और स्वतंत्र बौद्धिक विकास का अधिकार देती हैं। लेकिन समाजवादी पार्टी बच्चों को विवेक की जगह वंश का, राष्ट्र की जगह जाति का और विवेचना की जगह वैमनस्य का पाठ पढ़ा रही है।

पीडीए पाठशाला में ;' द्धश्हृ 2इुह्लद्गठ्ठद्दह्यह्य', 'क्र द्धश्हृ क्रद्धइुह्लइुह्ल', 'ष्ट द्धश्हृ ष्टश्ठ्ठह्यह्लद्बह्लह्लह्लद्बश्ठ्ठ' नहीं है। वहां केवल ;' द्धश्हृ द्मद्धद्बद्यदृह्यद्ध' है। यह कोई अनजाने में हुई भूल नहीं, यह सुनियोजित संकल्पनात्मक विलोपन है। इसमें राष्ट्र नहीं, केवल 'राग दरबारी' है। राष्ट्रवाद का स्थान 'रिश्तावाद' ने ले लिया है। यह विचार की हत्या है, और विचारधारा की हठधर्मिता का उत्सव।

ऐसे समय में जब भारत नई शिक्षा नीति के माध्यम से वैज्ञानिक सोच, सांस्कृतिक गौरव तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा की दिशा में आगे बढ़ रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को डिजिटल भविष्य की ओर ले जा रहे हैं, तब समाजवादी पार्टी जातीय अतीत के जाल में बच्चों को उलझा रही है। यह पीडीए नहीं, वोट बैंक का ड्डद्गस्त्रद्बष् ष्द्दह्यह्लह्लष्ह्लद्बश्ठ्ठ द्दठ्ठस्त्रइु है।

समाज को तय करना होगा कि क्या हम अपने बच्चों को बुद्धिमत्ता का ब्रह्मास्त्र देना चाहते हैं या वोटबैंक का बायोमैट्रिक? क्या हमारी पाठशालाएं ज्ञान, गौरव और गत्यात्मकता का केंद्र बनेंगी या गुटबंदी, गणना और गुमराही का मंच? क्या हम वर्णमाला में 'वंदे मातरम' खोजेंगे या 'वोट दो मुलायम को' ?

पीडीए पाठशाला कोई शैक्षिक योजना नहीं, यह सामूहिक चेतना की चीरहरण योजना है। यह एक वैचारिक अपराध है, जो संविधान की भावना, सामाजिक समरसता और शिक्षा की गरिमा तीनों का अपमान है। यह पठन नहीं, प्रपंच है। यह अक्षर नहीं, एजेंडा है। यह विद्या नहीं, वोटवाद है। यह शिक्षा नहीं, सियासत की संकीर्णता है।

अतः अब समय आ गया है कि हम शिक्षा को राष्ट्रवाद की ऊर्जा दें, और इसे समाजवाद के दुराग्रह से मुक्त करें। हमें अपनी पाठशालाओं को फिर से 'गुरुकुल' बनाना है। जहां ज्ञान हो, गरिमा हो, और गौरव हो। पीडीए जैसे षड्यंत्रों को उजागर करना केवल बौद्धिक जिम्मेदारी नहीं, राष्ट्र की रक्षा का दायित्व है। पीडीए का अर्थ अब स्पष्ट है 'पार्टी द्वारा डिज़ाइन किया गया अपहरण'। इसे रोकिए, इससे पहले कि पीढ़ियां केवल 'पार्टी' के लिए पढ़ने लगें और 'भारत' को भूल जाएं।

यह मात्र बौद्धिक चेतना की पुकार नहीं, राष्ट्चेतना की प्रार्थना है। अब यह संघर्ष केवल शब्दों का नहीं, संस्कारों का है और इस युद्ध में मौन अपराध है। ।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूसीएलए से एक बिलियन डॉलर की डील चाहते हैं ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, लॉस एंजिल्स (यूसीएलए) से 1 अरब डॉलर (लगभग 8,300 करोड़ रुपए) का सेटलमेंट मांगा है। प्रशासन ने इस हफ्ते यूसीएलए के 584 मिलियन डॉलर के फेडरल ग्रांट रोक दिए हैं। न्याय विभाग (डीओजे) ने हाल में यूसीएलए पर यहूदी विरोध के आरोप लगाए थे। यूसीएलए पहला पब्लिक विश्वविद्यालय है जिसके फंड पर इस तरह की कार्रवाई हुई है। इससे पहले निजी कॉलेजों के फंड भी रोक दिए गए थे। यूसीएलए के नए अध्यक्ष जेम्स बी. मिलिकेन ने कहा कि डीओजे से नोटिस मिला है और वे मामले की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इतनी बड़ी रकम का भुगतान करने से विश्वविद्यालय की रिसर्च और छात्रों पर गंभीर असर पड़ेगा। हाल ही में यूसीएलए ने तीन यहूदी छात्रों और एक प्रोफेसर के साथ 6 मिलियन डॉलर का समझौता किया था। इनका आरोप था कि 2024 में प्रोपैलिस्तीनी प्रदर्शनकारियों ने उन्हें क्लास और कैंपस के अन्य हिस्सों में जाने से रोका था। विश्वविद्यालय का कहना है कि वह कैंपस में सुरक्षा और सभी के लिए समान माहौल बनाए रखने के लिए कदम उठाता रहेगा।

ईरान ने कैदियों को एविन जेल में वापस भेजा

तेहरान, एजेंसी। तेहरान में अधिकारियों ने कुछ कैदियों को फिर से एविन जेल में भेजा, जिसे जून में इस्राइल ने हवाई हमले में निशाना बनाया था। सरकारी मीडिया के अनुसार, यह पहला दल है और आगे और कैदियों को लाया जाएगा। नई सुविधाएं बनाई गई हैं, लेकिन कुछ कैदी हथकड़ी पहनने से मना कर रहे थे। एक कार्यकर्ता की पत्नी ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें मजबूर करने के लिए पीटा। इस्राइली हमले में 71 लोग मारे गए थे, जबकि कुछ रिपोर्टों में संख्या 80 बताई गई। कारण स्पष्ट नहीं है कि जेल को क्यों निशाना बनाया गया।

कनाडा, फ्रांस और ईरान ने इस्राइल की गाजा योजना का विरोध किया

तेहरान, एजेंसी। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि गाजा पर इस्राइल का कब्ज़ा बंधकों की जान को खतरे में डाल देगा और मानवीय स्थिति खराब करेगा। फ्रांस ने भी इस योजना को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताते हुए कड़ी निंदा की और दो-राष्ट्र समाधान पर जोर दिया। ईरान ने इस योजना को नरसंहार की तैयारी कहा और इस्लामी देशों से संयुक्त कदम उठाने की अपील की। वहीं, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद शनिवार को इस मुद्दे पर आपात बैठक करेगी।

अमेरिका-एमोरी यूनिवर्सिटी और सीडीसी कैंपस के पास गोलीबारी, संदिग्ध व पुलिसकर्मी की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अटलांटा के एमोरी विविस्थित अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के मुख्यालय के बाहर एक युवक ने गोलीबारी की। इसमें एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। बाद में हमलावर भी मृत पाया गया। अटलांटा पुलिस प्रमुख डारिन शियरबाम ने बताया कि बंदूकधारी सीडीसी परिसर के सामने वाली एक इमारत की दूसरी मंजिल पर पाया गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि हमें नहीं पता कि गोली पुलिसवालों ने चलाई थी या उसने खुद चलाई थी। हमलावर के पास एक लंबी बंदूक थी। अधिकारियों ने घटनास्थल से तीन अन्य हथियार बरामद किए।

आईआरएस अधिकारी बिली लॉन्ग पर ट्रंप एक्शन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व सांसद बिली लॉन्ग को आईआरएस (इनकम टैक्स विभाग) के कमिश्नर पद से हटा दिया है। उन्हें पद संभाले हुए अभी दो महीने भी पूरे नहीं हुए थे। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि इस पद से हटाने का कारण नहीं बताया गया है। ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट अब अस्थायी कमिश्नर के रूप में काम करेंगे। बिली लॉन्ग को सीनेट ने 53-44 वोट से मंजूरी दी थी, जबकि डेमोक्रेट सांसदों ने उनके पुराने काम को लेकर चिंता जताई थी। लॉन्ग पहले एक नीलामीकर्ता थे और टैक्स प्रशासन का कोई अनुभव नहीं रखते थे।

ह्रू-डोभाल ने रूसी उप-प्रधानमंत्री से की मुलाकात, पुतिन ने स्वीकारा निमंत्रण, साल के अंत में आएंगे भारत

बीजिंग, एजेंसी।
राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने रूस के प्रथम उपप्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव के साथ द्विपक्षीय सैन्य-तकनीकी संबंधों और रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की। डोभाल द्विपक्षीय ऊर्जा और रक्षा संबंधों पर महत्वपूर्ण वार्ता करने और इस वर्ष के अंत में राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा की तैयारी के लिए रूस में हैं। भारत स्थित रूसी दूतावास के अनुसार, डोभाल और मंतुरोव की मुलाकात शुक्रवार को हुई। दूतावास ने एक पोस्ट में कहा, ''इस बैठक के दौरान भारत-रूस के बीच सैन्य-तकनीकी सहयोग से जुड़े मौजूदा मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही असैन्य विमान निर्माण, धातु उद्योग और रासायनिक उद्योग जैसे अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं को लागू करने पर भी बातचीत हुई। डोभाल ने बृहस्पतिवार को क्रेमलिन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान, उन्होंने बाहरी दबाव के बावजूद रूस के साथ सभी मोर्चों पर सहयोग जारी रखने की नयी दिल्ली की प्रतिबद्धता दोहराई। डोभाल की यात्रा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी करके रूस से तेल खरीदने पर भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया है। इसके बाद कुल शुल्क 50 फीसदी हो गया है। सूत्रों के अनुसार, डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में भारत आने का निमंत्रण दिया। पुतिन ने आभार के साथ निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

एक न्यूक्लियर अटैक और नागासाकी की इस मां का दूध बन गया बच्चे के लिए जहर

बीजिंग, एजेंसी।
80 साल पहले अमेरिका ने हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु हमला किया था। इसमें एक झटके में हजारों लोगों की मौत हुई और न जाने कितने लोगों की जिंदगी तबाह हो गई और जो लोग बच गए उनकी जिंदगी भी हमेशा के लिए बदल गई। ब्लास्ट और रेडिएशन से बची महिलाओं को नई वास्तविकताओं का सामना करना पड़ रहा है। नागासाकी ही महिलाओं की कहानियां बताती हैं कि कैसे रेडिएशन ने महिलाओं की जिम्मेदारी, पारिवारिक अपेक्षाओं और हिबाकुशा माताओं में जनता के विश्वास के मायने ही बदल दिए। ऐसी ही एक कहानी नागासाकी की एक मां की है, जिसके बेटे को बाद में ल्यूकेमिया हो गया और इसकी वजह डॉक्टरों ने स्तनपान के दौरान फैलने वाली विकिरण बीमारी बताया। नाकामुरा... ये उस मां का नाम है जो ये मानती है कि उसके बच्चे की मौत उसकी वजह से हुई। दरअसल, अमेरिका के परमाणु हमले में बचने के तीन साल बाद वो एक बच्चे को जन्म देती हैं। बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है और एक दिन उसकी पीठ पर कुछ गांठें दिखाई पड़ती हैं। पहले तो वो ये सोचती हैं कि ये सिर्फ दाने हैं और बेटे से कहती हैं कि वो अस्पताल में जाकर डॉक्टर की सलाह ले। 2003 में 55 साल की उम्र में उनका बेटा अस्पताल जाता है। धीरे-धीरे वक्त बीतता जाता है लेकिन उसकी कोई खैर खबर नहीं मिलती है। आखिरकार हारकर वो बेटे का हाल जानने के लिए खुद अस्पताल पहुंचती हैं। उनका बेटा उनसे कहता है कि डॉक्टर कुछ टेस्ट करेंगे। जब टेस्ट के रिजल्ट आते हैं तो पता चलता है कि उनके बेटे को स्टेज 4 ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर की एडवांस स्टेज) है। ये उनके शरीर के दूसरे हिस्सों में भी फैल चुका था। नाकामुरा बताती हैं कि डॉक्टरों ने कहा कि इस कैंसर की जिम्मेदार और कोई नहीं बल्कि वो खुद हैं। उन्होंने ने ही अपने बेटे को कैंसर दिया है, जो स्तनपान के जरिए उनके बेटे के अंदर पहुंचा है। एक समय के बाद उनके बेटे की मौत हो जाती है तो नाकामुरा को विश्वास हो गया कि उन्होंने ही अपने बेटे को मार डाला। ये ख्याल उन्हें आज भी चैन से जीने नहीं देता है और डॉक्टर कही बात उन्हें बार-बार परेशान करती है। परमाणु विकिरण के संपर्क में आने वाली महिलाओं को आमतौर पर परमाणु विस्फोट के तुरंत बाद स्तनपान बंद करने की सलाह दी जाती है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि इस बात का कोई ठोस प्रमाण नहीं है कि रेडिएशन के संपर्क में आने के सालों बाद भी मां बच्चों को कैंसर पैदा करने वाला पदार्थ दे सकती है। बांझपन या बच्चे की विकलांगता का विकिरण जोखिम से कोई लेना-देना नहीं होता, तब भी हिबाकुशा महिलाओं को अक्सर दोषी ठहराया जाता था।

संयुक्त राष्ट्र ने गाजा पर नियंत्रण के इस्राइल के फैसले को बताया खतरनाक

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने शुक्रवार को कहा कि गाजा शहर पर नियंत्रण करने के इस्राइल के फैसले से लाखों फलस्तीनियों के लिए पहले से ही विनाशकारी परिणाम और भी गंभीर हो सकते हैं, और इससे शेष बंधकों समेत और भी लोगों की जान को खतरा हो सकता है। गुटेरेस ने यह भी चेतावनी दी कि इस्राइली आक्रमण के परिणामस्वरूप और अधिक जबरन विस्थापन, हत्याएं और बड़े पैमाने पर विनाश होगा, जिससे गाजा में फलस्तीनी आबादी की अकल्पनीय पीड़ा और बढ़ जाएगी। मामले में सहयोगी प्रवक्ता स्टेफनी ट्रेम्बले ने कहा कि महासचिव ने युद्धविराम की अपनी तत्काल अपील दोहराई। ट्रेम्बले ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र के संवाददाताओं को बताया कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने इस्राइल से गाजा, पश्चिमी तट और पूर्वी यरुशलम समेत फलस्तीनी क्षेत्र में अपनी अवैध उपस्थिति को समाप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की जुलाई 2024 की सलाहकार राय का पालन करने का आग्रह किया।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में मदद करेगा भारत, टैरिफ तनाव के बीच अमेरिका सांसद ने जताई उम्मीद

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ के बाद दोनों देशों के संबंधों में खटास नजर आ रही है। इसी बीच अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने शुक्रवार को रूस और यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने के लिए भारत से अपने प्रभाव को इस्तेमाल करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि अगर भारत के जरिए यह युद्ध समाप्त होता है तो यह भारत और अमेरिका के संबंधों को बेहतर बनाने में सबसे महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए ग्राहम ने लिखा, जैसा कि मैं भारत में मौजूद अपने दोस्तों से कहता रहा हूं, भारत और अमेरिका के संबंधों को बेहतर बनाने के लिए वह एक सबसे महत्वपूर्ण काम कर सकते हैं। वह काम है राष्ट्रपति ट्रंप की यूक्रेन में हो रहे खूनखराबे को रोकने की कोशिश में मदद करना।

ग्राहम ने रूस से भारत की तेल खरीद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, भारत पुतिन के सस्ते तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीददार है। इस तेल खरीद के जरिए मिले पैसे से ही पुतिन की युद्ध मशीन को मदद मिलती है। राष्ट्र्पति पुतिन और पीएम मोदी के बीच हुए हालिया फोन कॉल का जिक्र करते हुए ग्राहम ने कहा, मुझे उम्मीद है कि पीएम मोदी ने पुतिन के साथ अपने हालिया फोन कॉल में यूक्रेन के इस युद्ध का न्यायसंगत, सम्मानजनक और हमेशा के लिए विवाद खत्म करने वाले प्रस्ताव को स्वीकार करने की आवश्यकता पर जोर दिया होगा। मेरा हमेशा से यही मानना रहा है कि इस मामले में भारत का प्रभाव है और मुझे उम्मीद है कि वह बुद्धिमानी के साथ इसका इस्तेमाल करेंगे।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर पुतिन से मुलाकात-चर्चा करेंगे ट्रंप, 15 अगस्त को अलास्का में होगी बैठक

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से 15 अगस्त को अलास्का में मुलाकात करेंगे। जानकारी के मुताबिक दोनों नेता यूक्रेन युद्ध पर चर्चा करेंगे। ट्रंप ने मेरे और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बहुप्रतीक्षित बैठक अगले शुक्रवार, 15 अगस्त, 2025 को ग्रेट स्टेट ऑफ अलास्का में होगी। आगे की जानकारी बाद में दी जाएगी।

अगर यह बैठक होती है तो 2021 के बाद अमेरिका और रूस के बीच यह पहला शिखर सम्मेलन होगा। तब पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने जिनेवा में पुतिन से मुलाकात की थी। यह ट्रंप की युद्ध खत्म करने की कोशिश में एक अहम कदम होगा, हालांकि रूस और यूक्रेन की शांति शर्तें अभी भी एक-दूसरे से बहुत अलग हैं, इसलिए लड़ाई रुकने की गारंटी नहीं है। ट्रंप की इस घोषणा के बीच, मोर्चे पर लड़ रहे यूक्रेनी सैनिकों को कूटनीतिक हल की ज्यादा उम्मीद नहीं है। ट्रंप ने लगभग दो हफ्ते पहले पुतिन को बमबारी रोकने का अल्टीमेटम दिया था और धमकी दी थी कि अगर रूस पीछे नहीं हटता तो अतिरिक्त प्रतिबंध और रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ लगाए जाएंगे। रूस की सेना धीरे-धीरे यूक्रेन में आगे बढ़ रही है और शहरों पर लगातार हमले कर रही है। डोनेटस्क के पोक्रोव्स्क इलाके में लड़ाई सबसे ज्यादा तेज है, जहां रूस ड्निप्रोपेट्रोव्स्क की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहा है। यूक्रेन के पास जनशक्ति की कमी है, फिर भी सैनिक डटे हुए हैं। डोनेटस्क में ड्रोन यूनिट के एक कमांडर बूदा ने कहा, रूस से बातचीत असंभव है, उन्हें हराना ही एकमात्र रास्ता है। दक्षिणी जापोरिज्जिया में हॉवित्जर यूनिट के कमांडर वारसा ने कहा, हम अपनी जमीन पर खड़े हैं, हमारे पास पीछे हटने का विकल्प नहीं है। क्रेमलिन के मुताबिक, पुतिन ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से फोन पर बात की और ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ से हुई मुलाकात की जानकारी दी। शी ने यूक्रेन संकट के दीर्घकालिक समाधान के लिए समर्थन जताया।

ट्रंप के टैरिफ वार के बीच रूस में डोभाल की मैराथन बैठक, टॉप-3 नेताओं से मिले

रूस , एजेंसी।
राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने शुक्रवार को मास्को में रूस के उप प्रधानमंत्री डेनिस मांतुरोव से मुलाकात की। यह दो दिनों में उनकी तीसरी उच्चस्तरीय बैठक थी। गुरुवार को डोभाल ने रूसी सुरक्षा परिषद सचिव सर्गेई शोइगू से बातचीत की और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी भेंट की थी। रूसी सरकार के बयान के मुताबिक, डोभाल और मांतुरोव ने सैन्य-तकनीकी सहयोग के साथ-साथ नागरिक विमानन और रासायनिक उद्योग जैसे अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की। मांतुरोव ने नवंबर 2024 में मुंबई में हुई पिछली भारत-रूस की बैठक में सह-अध्यक्षता की थी।

डोभाल की यह यात्रा ऐसे समय हुई है जब भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव तेज हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की रूस से तेल खरीद जारी रखने के कारण भारतीय आयात पर अतिरिक्त 25त्न शुल्क लगा दिया है, जो पहले से लागू 25प्रतिशत टैरिफ के साथ मिलकर कुल 50प्रतिशत हो गया है।

पुतिन की भारत यात्रा पर भी चर्चा

डोभाल और रूसी नेताओं के बीच बातचीत में इस साल के अंत में होने वाले वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए पुतिन की नई दिल्ली यात्रा भी एजेंडे में रही। गुरुवार को डोभाल ने कहा था कि ये वार्षिक बैठकें हमेशा मील का पत्थर साबित हुई हैं और रिश्तों को नई दिशा देती रही हैं। शुक्रवार को पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की, जिसमें उन्होंने यूक्रेन संघर्ष के समाधान के प्रयासों की जानकारी दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, हमने द्विपक्षीय एजेंडे की प्रगति की समीक्षा की और भारत-रूस विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। पुतिन के इस साल के अंत में नई दिल्ली आने की उम्मीद है, जहां वे वार्षिक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे।

8 घायल, 1500 लोगों को रेस्क्यू किया

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान के कराची में लांढी के एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक कपड़ा फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस हादसे में 8 लोग घायल हो गए और इमारत पूरी तरह ढह गई। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, आग सुबह लगी और करीब चार घंटे से अधिक समय तक बेकाबू रही। आग बुझाने के लिए 12 फायर टेंडर तैनात किए गए, लेकिन आग तेजी से फैल गई।

पास की चार अन्य फैक्ट्रियों तक भी आग पहुंच गई। फैक्ट्री में पुराने कपड़ों की रीसाइकलिंग होती थी और वहां केमिकल भी रखे थे, जिससे आग और तेज हो गई। रेस्क्यू अधिकारी आबिद जिलाल ने बताया कि आग लगने के समय फैक्ट्री में 1,200 से 1,500 लोग मौजूद थे। सभी मजदूरों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया और आसपास की इमारतों को भी खाली कराया गया। सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह ने घटना का संज्ञान लिया और बचाव कार्यों में लगे। मुख्य अग्निशमन अधिकारी मुहम्मद हुमायूं ने बताया कि आग पहली मंजिल से शुरू हुई और तेजी से फैल गई। आग का कारण अभी पता नहीं चल सका है। मलबा हटाने में तीन से चार दिन लग सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र की फैक्ट्रियों को सुरक्षा सर्वे फॉर्म भेजे गए थे, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। जियो न्यूज के अनुसार, जून में लांढी में एक दूसरी फैक्ट्री में आग लगने से पांच कर्मी घायल हुए थे।

हबल अंतरिक्ष दूरबीन ने दूसरे सौरमंडल से आए धूमकेतु की सबसे साफ तस्वीर ली

वाशिंगटन, डीसी, एजेंसी।
हबल अंतरिक्ष दूरबीन ने एक ऐसे धूमकेतु की अब तक की सबसे साफ तस्वीर खींची है, जो हमारे सौरमंडल के बाहर के किसी तारे से आ रहा है। यह धूमकेतु बहुत तेजी से यात्रा कर रहा है। यह तस्वीरें नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने बृहस्पतिवार को साझा कीं। इस धूमकेतु का नाम 3आई-एटलस है। इसे पिछले महीने चिली में एक जमीन पर लगी दूरबीन से खोजा गया था। यह अब तक पाया गया तीसरा ऐसा अंतरतारकीय (दूसरे तारे से आया हुआ) पिंड है, जो हमारे सौरमंडल से होकर गुजरेगा। अच्छी बात यह है कि इससे पृथ्वी को कोई खतरा नहीं है। शुरुआत में वैज्ञानिकों ने सोचा था कि इसके बीच का बर्फीला हिस्सा (जिसे नाभिक कहते हैं) बहुत बड़ा होगा। लेकिन हबल की ली गई तस्वीरों से पता चला कि इसका आकार ज्यादा से ज्यादा 5.6 किलोमीटर है, और हो सकता है कि यह सिर्फ 320 मीटर ही हो। यह धूमकेतु करीब 2 लाख 9 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हमारी दिशा में आ रहा है। लेकिन यह पृथ्वी के बजाय मंगल ग्रह के ज्यादा पास से गुजरेगा, इसलिए इससे हमें कोई खतरा नहीं है।नासा के अंतरिम प्रशासक सीन डफी ने 2030 तक चंद्रमा की सतह पर एक परमाणु रिएक्टर स्थापित करने की योजना की घोषणा की है।

11000 की जनसंख्या वाले देश पर मंडरा रहा है डूबने का खतरा

ऑस्ट्रेलिया ने खोले दरवाजे

तुवालु, एजेंसी।
समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिसके कारण दुनिया के कई देश डूबने की कगार पर हैं। प्रशांत महासागर में मौजूद तुवालु भी इन्हीं में से एक है। वायर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, तुवालु अगले 25 साल में डूब जाएगा। ऐसे में तुवालु के लोगों ने अभी से पलायन करना शुरू कर दिया है।

9 कोरल आईलैंड और अटॉल्स से बने तुवालु देश की जनसंख्या महज 11,000 है। यह द्वीप समुद्रतल से महज 2 मीटर ऊंचा है। ऐसे में तुवालु से लोगों का पलायन दुनिया का पहला योजनाबद्ध प्रवास माना जा रहा है।

समुद्रतल से कम ऊंचाई के कारण तुलावु में अक्सर बाढ़ और समुद्री तूफान

जैसे खतरे बने रहते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, तुवालु के 9 में से 2 आईलैंड पहले ही डूब चुके हैं और बाकी आईलैंड भी डूबने की कगार पर हैं। 15 सालें की तुलना में 2023 में तुवालु के आसपास का समुद्रीस्तर 15 सेंटीमीटर बढ़ गया था। ऐसे में संभावना है कि अगले 25 सालों यानी 2050 तक तुवालु पूरी तरह से डूब जाए। 2023 में तुवालु और ऑस्ट्रेलिया ने फॉलेपिली समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत हर साल 280 तुवालु नागरिकों को ऑस्ट्रेलिया की स्थायी नागरिकता प्रदान की जाएगी। 16 जुलाई से 18 जुलाई के बीच आवेदन का पहला फेज देखने को मिला।

ऑस्ट्रेलियन हाई कमिशन के अनुसार, 8,750 लोगों ने आवेदन किया था। जिनमें से बैलट के जरिए 280 लोगों का चयन किया गया है।

भद्राकाली के ग्रामीणों ने पैतृक जमीन और वन अधिकार पट्टे दिलाने की मांग को लेकर विधायक और कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

फारेस्ट विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्यवाही करने की कलेक्टर से की मांग

बीजापुर। भद्राकाली के किसान बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी और कलेक्टर बीजापुर से मिले और ज्ञापन सौंपकर वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा पैतृक भूमि में खेती किसानी करने नहीं दिए जाने की शिकायत की है। कलेक्टर बीजापुर को सौंपे गए ज्ञापन में भद्राकाली के किसानों ने कहा कि ग्राम भद्राकाली प.ह.नं.-20 तहसील भोपालपटनम् में स्थित पैतृक जमीन जो कि वर्ष 1932-33 में राजस्व अभिलेख में दर्ज है जिसमें उनके पूर्वज वर्षों से खेती करते आ रहे हैं और अपना जीवन यापन कर रहे हैं। उक्त जमीन पर वन विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों के द्वारा आरक्षित/संरक्षित वन के रूप में उपयोग कर ग्रामीणों को खेती करने से मना किया जा रहा है। और स्वयं के जमीन पर इस वर्ष खेती किसानी करने के दौरान वन विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों के द्वारा किसानों के बैल, हल को जब्त कर जोताई/बोआई कार्य से रोका गया, जिससे ग्रामीण किसान काफी दुखी है। इसलिए किसानों के पैतृक जमीन का सीमांकन कर जमीन वन विभाग से वापस दिलाये जाय। वही कलेक्टर बीजापुर को दिए एक अन्य ज्ञापन में किसानों के साथ बदसलूकी कर डराने धमकाने वाले वन रक्षेक चलपत गोटा को तत्काल स्थानांतरण करने की मांग भी की है। इसके साथ ही भद्राकाली, अटूकपल्ली, रैगुड़ा, तारूड़, अन्नारम के ग्रामीण किसानों ने बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी को भी एक ज्ञापन सौंपा है ग्रामीण किसानों ने विधायक विक्रम मंडावी को सौंपे गए ज्ञापन में कहा है कि ग्रामीणों द्वारा वनभूमि पर विगत् 15 वर्षों से खेती कर अपना जीवन यापन करते आ रहे हैं। वर्तमान में वन विभाग के कर्मचारियों के द्वारा बदसलूखी करते हुए खेती करने से किसानों को जबरन रोका जा रहा है और अपनी जमीन से बेदखल कर पालतू मवेशी बैल एवं हल को जब्त किया जा रहा है। इसलिए वर्षों से काबिज वनभूमि का वन अधिकार पट्टा दिलाया जाए। इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि ÷खेती किसानी कार्य के दौरान वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों का किसानों के साथ किया जा रहा व्यवहार निंदनीय है। किसानों की मांगों को जायज बताते हुए विधायक विक्रम मंडावी ने सरकार से मांग की है कि भाजपा सरकार भद्राकाली क्षेत्र के जितने भी किसान है इनके पैतृक भूमि का सीमांकन किया जाए और जो वर्षों से खेती किसानी कार्य करते हुए अपने परिवार का भरण पोषण करते आ रहे है उन्हें तत्काल वन अधिकार पट्टा दिया जाए। विधायक विक्रम मंडावी को ज्ञापन सौंपे जाने के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम, जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य बसंत राव ताटी, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष कामेश्वर गौतम, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष व पार्षद बेन्हूर रावतिया, ब्लाक अध्यक्ष रमेश पामभोई,मिच्चा समैया, अशोक मडे, मिच्चा किस्तैया, पिरला श्रीनिवास, वासम रामाराव,पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम सल्लूर, वासम चिरंजीव,पूर्व जनपद अध्यक्ष व जनपद सदस्य बोधि ताती,पिरला लक्ष्मैया, ऊरमिला पिरला, कन्नूर राजन्ना, के साथ ग्रामीण रहे मौजूद।

ग्राम गोड़मा में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत ली गई स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की शपथ

कोण्डागांव। विकासखंड फरसगांव के अंतर्गत ग्राम गोड़मा में 'हर घर तिरंगा' राष्ट्रीय अभियान के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कोण्डागांव द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वच्छता को राष्ट्र निर्माण का अहम स्तम्भ माना गया है। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए यह आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामवासियों ने न केवल राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान प्रकट किया, बल्कि स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक रूप से शपथ भी ली। कार्यक्रम के दौरान सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, स्वच्छता बनाए रखने, सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता तथा जल संरक्षण जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके बाद ग्रामवासियों ने इन मुद्दों पर अमल करने तथा अन्य लोगों को भी प्रेरित करने की शपथ ली। कार्यक्रम के उपरांत ग्रामवासियों द्वारा पंचायत भवन, विद्यालय परिसर एवं ओवरहेड टैंक क्षेत्र की सफाई की गई। साथ ही, इन स्थानों पर वृक्षारोपण कर स्वच्छता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर ग्राम सरपंच सरस्वती पोयाम ने कहा कि स्वच्छ और सुजल गांव ही समृद्ध और स्वस्थ भविष्य की नींव रखते हैं। यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम अपने गांव को न केवल स्वच्छ रखें, बल्कि पर्यावरण और जल स्रोतों की भी रक्षा करें।

कोड़ेनार ग्राम पंचायत की लापरवाही, मंदिर जाने वाले भक्त गंदे नाले के पानी से गुजरने को मजबूर

किरंदुल। ग्राम पंचायत कोड़ेनार की लचर व्यवस्था और लापरवाही ने स्थानीय निवासियों और मंदिर जाने वाले भक्तों के लिए गंभीर समस्या खड़ी कर दी है।तालाब पारा क्षेत्र में स्थित काली मंदिर और हनुमान मंदिर के रास्ते में बहने वाली गंदी और दूषित नालियों का पानी भक्तों के लिए परेशानी का सबब बन गया हैं। स्थानीय लोगों का कहना हैं कि इस समस्या की ओर ग्राम पंचायत का ध्यान ही नहीं है,जबकि सत्ताधारी बीजेपी के कई शीर्ष नेता इस क्षेत्र में रहते हैं और नियमित रूप से दौरा करते हैं। लोग अपने घरों के शौचालयों के पाइप को सीधे नालियों से जोड़ चुके हैं,जिसके कारण नालियां गंदगी और दूषित पानी का अड्डा बन गई हैं।खास तौर पर वार्ड क्रमांक 3 और कोडेनार ग्राम पंचायत के बीच बहने वाली एक नाली की स्थिति बेहद खराब है। इस नाले का पानी काली मंदिर के पास सड़क पर फैल गया है, जिससे सड़क पर ही एक गंदा नाला बन गया है इस रास्ते से गुजरने वाले हर व्यक्ति, चाहे वह बाजार जा रहा हो, स्कूल जा रहा हो, या फिर काली मंदिर और हनुमान मंदिर में पूजा के लिए जा रहा हो, उसे इस दूषित और बदबूदार पानी से होकर गुजरना पड़ता है।वहीं इस विषय पर कोड़ेनार सरपंच मीना मंडावी ने बताया कि उक्त समस्या को लेकर कलेक्टर को लिखित में आवेदन दिया गया हैं,जल्द ही प्रशासन द्वारा इस समस्या का निराकरण किया जाएगा।

आत्मसमर्पित नक्सलियों से मिले उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

आत्मसमर्पित महिला नक्सलियों ने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं मंत्री केदार कश्यप को बांधी राखी

नारायणपुर। प्रदेश के गृह एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और वन, जल संसाधन, कौशल विकास एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने नारायणपुर जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान नक्सल पुनर्वास निति के तहत् आत्मसमर्पित नक्सलियों से सीधा विस्तृत संवाद किया। आत्मसमर्पित नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ सरकार के पुनर्वास नीति की प्रशंसा करते हुए कहा कि पहले के नक्सल संगठन का जीवन एक भटका हुआ और गुमराह से भरा जीवन था। उस खोखली विचारधारा को त्याग कर समाज के मुख्यधारा से जुड़कर बहुत ही बेहतर जीवन मिला लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं की जानकारी के अभाव में हम रास्ता भटक गए थे किन्तु शासन के पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण कर एक बेहतर जीवन जी रहे हैं। आज शासन-प्रशासन द्वारा हमें कौशल विकास के तहत प्रशिक्षित

किया जा रहा है। जिससे हम आत्मनिर्भर बनकर समाज के मुख्यधारा में शामिल हो सके।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने ऐसे भाई बहन जो पहले नक्सल संगठन में थे और जिन्होंने पुनर्वास किया है, वें अभी किसी सरकारी दायित्व पर हैं या सामान्य जीवन जी रही हैं। उन्होंने सभी समर्पित बहनों से राखी बंधवाई। उन्होंने उप मुख्यमंत्री एवं वन मंत्री को पगड़ी बांधकर सम्मानित भी किया गया। उन्होंने सभी बहनों के लिए उनके के मंगलमय जीवन की कामना की। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि अगर कोई माओवादी संगठन से अपने परिचित भाई बहन उस संगठन से वापस आने का आग्रह करें, तो पूरा समाज उसे अपना मानेगी और हम सब मिलकर उसकी सुरक्षा और आजीविका सुनिश्चित करेंगे।

पुनर्वास केन्द्र में अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उनके दैनिक दिनचर्या से अवगत होकर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने आवश्यक पहल करें, एक्सपोजर विजिट कराकर बाहरी दुनिया का भ्रमण कराने रायपुर, जगदलपुर जैसे शहर ले जाने के निर्देश दिए। ज्यादातर लोग पढ़ाई नहीं किए है उनको साक्षर बनाने के लिए आवश्यक पहल करते हुए दिनचर्या में शामिल कर खेलकूद, मनोरंजन, देशभक्ति फिल्में दिखाने सहित उनको नियमित आमदनी के स्त्रोत हासिल हो सके उस दिशा विशेष प्रयास करने के निर्देश कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत को दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, नगरपालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल, सरपंच छोटेडोंगर संध्या पवार, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव भीम सिंह, कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बस्तर सुन्दरराज पी., कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुड़िया, जिला पंचायत सीईओ आकांक्षा शिक्षा खलखो, वनमण्डलाधिकारी ससिगानंदन के, एसडीएम अभयजीत मण्डावी सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं पार्षदगण उपस्थित थे।

बोल बम समिति द्वारा श्री राघव मंदिर किरन्दुल में किया गया शिव जी का रुद्राभिषेक

किरंदुल। देवघर बोल बम धाम तीर्थ यात्रा कर किरन्दुल लौटे बोल बम सेवा समिति के भक्तों द्वारा 11 अगस्त सोमवार सुबह 10 बजे श्री राघव मंदिर किरन्दुल में शिव जी का रुद्राभिषेक किया गया।इस विशेष पूजा व रुद्राभिषेक में नगर परिवार के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया तथा नगरवासियों की सुख समृद्धि एवं मंगल कामनाओं के लिए भगवान शिव शंकर से प्रार्थना किया।पूजन रुद्राभिषेक पश्चात दोपहर मंदिर प्रांगण में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।जिसमें किरन्दुल एवं आसपास के ग्रामों के हज़ारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

नगर पालिका किरन्दुल द्वारा निकाली गई हर घर तिरंगा यात्रा

किरंदुल। दंतेवाड़ा कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान सम्पूर्ण जिले में चलाया जा रहा हैं।इसी परिपेक्ष्य में सोमवार नगरपालिका परिषद किरन्दुल द्वारा हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान के तहत रैली निकालकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।साथ ही 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हर घरों में राष्ट्र ध्वज तिरंगा लगाने का आह्वान किया गया।मौके पर किरन्दुल नगरपालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह,उपाध्यक्ष बबलू सिद्दीकी, भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी, आर सी नाहक,राजू रेड्डी, अन्य जनप्रतिनिधिगण, नगरपालिका, अधिकारी शशि भूषण महापात्र कर्मचारी एवं आमजन उपस्थित थे।

फाइनोर कैम्प मंदिर में शेड निर्माण के लिए किरन्दुल नगरपालिका अध्यक्ष ने किया भूमिपूजन

किरंदुल। किरन्दुल वार्ड क्रमांक 12 फाईनोर कैंप स्थित मंदिर के प्रांगण में शेड निर्माण हेतु किरन्दुल पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह के द्वारा भूमि पूजन किया गया।बता दें कि वार्ड नंबर 12 के वार्डवासियों एवं गणेश पूजा समिति के सदस्यों द्वारा कई वर्षों से शेड की मांग की जा रही थीं।जिनकी मांग सोमवार को पूरी हुई।पालिका अध्यक्ष ने शेड निर्माण कार्य की बधाई देते हुए कहा कि उक्त निर्माण कार्य हो जाने से यहां पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सुविधा मिलेगी उसके पश्चात वार्ड पार्षद पदमा नाग ने कहा कि क्षेत्र में लगातार विकास कार्य पालिका अध्यक्ष की अनुशंसा से की जा रही हैं।इसके लिए समस्त वार्डवासियों को बधाई दी व निर्माण कार्य की स्वीकृति प्रदान करने के लिए पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह को धन्यवाद ज्ञापित की। इस अवसर पर उपाध्यक्ष बबलू सिद्दीकी, सीएमओ शशि भूषण महापात्र, समस्त पार्षदगण एवं वार्डवासी उपस्थित थे।

एम सूर्य घर योजना अंतर्गत जनजागरूकता शिविर सम्पन्न

कोंडागांव। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली बिल योजना के तहत नागरिकों को जागरूक करने एवं पंजीयन हेतु आज विकास नगर कोंडागांव के सामुदायिक भवन में विशेष जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना एवं नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कलेक्टर पन्ना ने उपभोक्ताओं को योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए योजना के लाभ, पात्रता एवं भविष्य में इसके सकारात्मक प्रभावों पर विस्तार से चर्चा किया।

जिला कोंडागांव से 51 दर्शनार्थियों ने किया रामलला का दर्शन

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ सरकार के समाज कल्याण विभाग के द्वारा रामलाल दर्शन (अयोध्या धाम) योजना के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु के छत्तीसगढ़ में निवासियों को करवाया जा रहा है काशी विश्वनाथ और अयोध्या धाम का दर्शन इसी कड़ी जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में कोंडागांव जिले से 51 दर्शनार्थियों ने किया दर्शन, 5 अगस्त को ये जिला पंचायत संसाधन केंद्र से लता उसेंडी जी, माननीय विधायक कोंडागांव के द्वारा हरी झंडी दिखा कर जिले के 51 दर्शनार्थियों को रवाना किया गया, इस योजना के तहत् 25 प्रतिशत शहरी और 75 प्रतिशत ग्रामीणों के अनुपात में योजना से लाभ दिलाते हुए भ्रमण के लिए भेजा जाता है कोंडागांव से रवानगी के बाद राजनांदगांव रेल्वे स्टेशन में 6 अगस्त को सुबह 11.00 बजे बस्तर संभाग और दुर्ग संभाग के दर्शनार्थियों को एक साथ छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा चलाए जा रहे विशेष यात्रा ट्रेन में बैठा कर रमन सिंह, माननीय पूर्व मुख्यमंत्री एवं अध्यक्ष विधान सभा छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। जिले से गए 51 यात्री में 15 यात्री पहली बार रेल में बैठने का लाभ मिला।

दुकान ठेला में अवैध रूप से अंग्रेजी शराब रखकर बिक्री करने वाले के खिलाफ केशकाल पुलिस की बड़ी कार्यवाही

कोण्डागांव। पुलिस अधीक्षक वाय अक्षय कुमार (भा0पु0 से0) के द्वारा आवैध शराब बिकी एवं तस्करों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देश देते रहे है जिसके परिपालन में अति. पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल एव पुलिस अनुविभागीय अधिकारी केशकाल अरूण कुमार नेताम के निर्देशानुसार एवं मार्ग दर्शन में केशकाल पुलिस टीम के टीम के द्वारा 8 अगस्त को हमराह स्टाफ को साथ लेकर कस्बा भ्रमण रोड पेट्रोलिंग जुर्म जरायम पता साजी पर शासकीय वाहन में आईटीआई चौक, डिहीपारा केशकाल की ओर रवाना हुआ था कि पेट्रोलिंग दौरान मुखबीर द्वारा सूचना मिला कि बहीगॉव चारभाटा तिराहा गुमटी (झोपडी) ठेला एनएच 30 मेन रोड़ के पास अवैध रूप से देशी अग्रेजी एवं महुआ शराब को रखकर बिक्री कर रहा है कि सूचना पर तस्दीक हेतु हमराह स्टाफ रवाना हुये मुखबिर द्वारा बताए स्थान पर जाकर रेड कार्यवाही किया। एक व्यक्ति अपने दुकान में शराब बिक्री करते हुए मिला जिसका नाम पता पूछने पर अपना नाम शिवलाल नेताम पिता सुकालू राम नेताम जाति गोड उम्र 42 वर्ष निवासी बहीगाँव कोनाडीपारा थाना केशकाल का होना बताया। जिनके दुकान की तलाशी लेने पर दो सफेद रंग के प्लास्टिक झोला में 47 नग प्लेन देशी पौवा प्रत्येक में 180 भरी हुई सील बद कुल 8.460 कीमती 3,760 रु. 04 नग सफेद रंग के प्लास्टिक बाटल जिसमें प्रत्येक में आधा आधा लीटर महुआ शराब भरा हुआ कुल 2 लीटर किमती 160 रू. 25 नग जम्मू स्पेशल विस्की पौवा प्रत्येक में 180 एमएल भरा हुआ 4.500 एमएल कीमती 2500 रू. एक काला रंग के बैग को चेक करने पर 15 नग मूडआफ पौवा प्रत्येक में 180 एमएल भरी हुई कुल 2.700 एमएल कीमती 2700 रु 05 नग केन बियर 500 एमएल कुल 2.500 एमएल कीमती 900 रु 'कुल जुमला 20 लीटर' किमती 10,020 रू. एवं शराब बिक्री रकम 1700 रू. नगद बरामद हुआ।

दुकान की आड़ में चखना उपलब्ध कराते हुए शराब पीने देने वाले दुकान मालिकों के खिलाफ किया गया कार्यवाही

कोण्डागांव। थाना केशकाल क्षेत्र में वाय अक्षय कुमार पुलिस अधीक्षक कोंडागांव के निर्देश व कौशलेंद्र देव पटेल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन एवं अर्थ नेताम पुलिस अनुविभागीय अधिकारी केशकाल व थाना इंचार्ज ज्ञानेंद्र चौहान के नेतृत्व में 7 अगस्त को मुखबीर सूचना मिली की जामगांव रोड की ओर स्थित दुकानो पर दुकान के मालिक द्वारा कुछ लोगो को अपने दुकान के पास किनारे बैठाकर शराब पीने के लिए चखना डिस्पोजल व पानी उपलब्ध कराते हुए शराब पीने वाले को अपने दुकान के आड़ में बैठाकर शराब पीने दे रहे है जिससे रोड में आने जाने वाले को दिक्कत हो रहे है कि सूचना पर हमराह स्टाप के मुखबीर बताये स्थान पर पहुँचकर घेरा बंदी कर रेड कार्यवाही किया गया जहां पर दुकान के किनारे शराब पीने वाले पुलिस को देखकर भाग गये। शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने वाले 05 दुकानदारो जिसमें 1. प्रोसेनजीत राय पिता अजीत राय जाति कायस्थ उम्र 38 वर्ष निवासी शांति नगर केशकाल 2. प्रशंजीत राय पिता कुमुंद राय जाति नमोशुद्रो उम्र 32 वर्ष निवासी बंगाली कैम्प बोरगांव केशकाल 3. विजय कुमार निषाद पिता मानसिंग निषाद उम्र 43 वर्ष निवासी जामगांव केशकाल 4. लिलधर सिंह राजपूत पिता चौनसिंग राजपूत उम्र 40 वर्ष निवासी बोरगांव डिहीपारा केशकाल 5. अजय निषाद पिता मानसिंग निषाद उम्र 30 वर्ष निवासी जामगांव केशकाल सभी थाना केशकाल जिला कोण्डागांव छ.ग. के खिलाफ धारा 36 क आबकारी एक्ट के तहत अलग अलग कार्यवाही किया गया।

कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है ?

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब.

समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छांछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाना कई रोगों का कारण बनता है। ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर सबसे जल्दी और सबसे बुरा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। इस स्थिति में कोई भी वायरस और बैक्टीरिया हमारे शरीर पर हावी हो सकता है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण क्या होते हैं.

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने से अर्थ है कि शरीर को अपनी नियमित क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए जितनी मात्रा में ऑक्सीजन चाहिए, उतनी मात्रा में ऑक्सीजन ना मिल पाना।
- जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो सबसे पहले व्यक्ति को थकान महसूस होती है, सांस लेने में दिक्कत होने लगती या सांस फूलने लगता है। इसके बाद शरीर में रक्त के प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। इससे थकान और घबराहट बढ़ जाती है।

हो सकती हैं ये बीमारियां

- यदि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम हो जाए तो ब्रेन डैमेज और हार्ट अटैक तक की स्थिति बन जाती है। शुगर के रोगियों में यदि ऑक्सीजन की कमी हो जाए तो उनकी शुगर अचानक बहुत अधिक बढ़ सकती है, जो कि एक जानलेवा स्थिति भी बन सकती है।
- ऑक्सीजन का स्तर अचानक से बहुत अधिक घट जाने पर शरीर में थायरॉइड हॉर्मोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। इस स्थिति में थायरॉइड का स्तर या तो बहुत अधिक बढ़ सकता है या बहुत अधिक घट सकता है।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कई कारण होते हैं, जो व्यक्ति की लाइफस्टाइल पर निर्भर करते हैं। जो लोग बहुत अधिक आलस से भरपूर जीवनशैली जीते हैं यानी फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।
- जो लोग बहुत अधिक शारीरिक श्रम करते हैं लेकिन उसके हिसाब से डायट नहीं लेते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।
- जिन लोगों के भोजन में आयरन की मात्रा कम होती है अगर वे लंबे समय तक इसी तरह का भोजन लेते रहें तो उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। क्योंकि फेफड़ों सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह करने में आयरन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

आपको क्या करना है ?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा - आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल - नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी - कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक - कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकांई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा - साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध - कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा - एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू - एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

किसानों ने धान बिक्री व खाद वितरण केंद्र पुनः सेलूद में स्थानांतरित करने की मांग की, किसानों ने सिंचाई के लिए नहर से पानी देने आवेदन दिया

सुलभ शौचालय नहीं होने से महिलाओं को हो रही परेशानी, स्थानीय नागरिकों ने जनदर्शन में की शिकायत, जनदर्शन में 104 आवेदन प्राप्त हुए

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव एवं डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 104 आवेदन प्राप्त हुए। ग्राम पंचायत मुड़पार के किसानों ने धान बिक्री एवं खाद उठाव के लिए सेवा सहकारी समिति को पुनः सेलूद में स्थानांतरित करने की मांग की। किसानों ने बताया कि पूर्व में धान बिक्री एवं खाद उठाव सेवा सहकारी समिति सेलूद में किया जा रहा था, किंतु वर्तमान में यह कार्य अचानकपुर समिति से किया जा रहा है, जो मुड़पार ग्राम से अधिक दूरी पर है, जिससे किसानों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। मुड़पार से सेलूद दो किलोमीटर की दूरी पर है, जबकि अचानकपुर की दूरी अधिक होने के कारण समय व परिवहन खर्च दोनों बढ़ गया है। किसानों ने मांग की है कि सेवा सहकारी समिति सेलूद में ही धान बिक्री एवं खाद वितरण की व्यवस्था पुनः की जाए। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने डिप्टी रजिस्टार सहकारी सोसायटी को आवश्यक निराकरण करने को कहा। नगर पंचायत उतई पार्षद ने किसानों को सिंचाई के लिए नहर से पानी देने आवेदन दिया। किसानों ने बताया कि विगत 15-20 दिनों से बारिश नहीं होने के कारण खेत सूखने लगे हैं और धान की फसलें मुरझाने लगी हैं। खेतों में दरारें पड़ रही हैं, जिससे खाद व दवाई डालना भी संभव नहीं हो पा रहा है। किसानों ने ताण्डुला जलाशय से उतई, करगाडीह, पुरई, पाऊवारा, कोकडी, कोडिया, हनोदा, खम्हरिया, उमरपोटी, बोरीगारका व बोरीडीह गांवों में जल्द से जल्द सिंचाई के लिए नहर का पानी छोड़े जाने की मांग की है। पानी नहीं मिलने से फसले नष्ट हो रहे हैं, जिससे भारी नुकसान हो रहा है। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने ईई जल संसाधन विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। वार्ड 09 के पार्षद ने सार्वजनिक सुलभ शौचालय निर्माण कराने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि ने जिले के छतौना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 01 (राजीव नगर) में लगभग 5500 श्रमिक परिवार निवास करते हैं। यह इलाका श्रमिक बाहुल्य है, जहां पहले एकमात्र पुराना सार्वजनिक सुलभ शौचालय था जिसे तोड़ दिया गया है। नया शौचालय का निर्माण करने के लिए पुराना तोड़ा गया था, लेकिन अब तक नया शौचालय नहीं बनाया गया, जिससे वार्ड में गंदगी फैल रही है और खासकर महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि डीएमएफ फंड से जल्द से जल्द नया सुलभ शौचालय स्वीकृत कर निर्माण कराया जाए, ताकि क्षेत्र की गंभीर समस्या का समाधान हो सके। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने डीएमएफ प्रभारी को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

चारागाह की जमीन पर कब्जा, ग्रामीणों ने की शिकायत, चक्काजाम की चेतावनी

खुटेरी गांव के ग्रामीणों ने कलेक्टोरेट पहुंचकर नारेबाजी की, आंदोलन की कही बात

राजनांदगांव। ग्राम खुटेरी के ग्रामीण सोमवार को कलेक्टोरेट पहुंचे। यहां ग्रामीणों ने प्रदेश सरकार और कृषि मंत्री के साथ-साथ जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में चारागाह की जमीन पर कब्जा कर लिया गया है। इस कारण पशुओं के लिए स्थान नहीं है, ऐसे में पशु खेतों और सड़कों पर चले जाते हैं। कई बार कब्जामुक्त करने की मांग की जा चुकी है, लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीण देवलाल सिन्हा ने बताया कि चारागाह की जमीन नहीं होने के कारण पशुओं की सुरक्षा की चिंता भी हो रही है। यह भी निर्देश दिया जा रहा है कि पशुओं को सड़क पर न छोड़ा जाए। मतलब दोनों ही तरफ से पशुपालकों और किसानों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। किसान श्यामलाल साहू ने कहा कि चारागाह नहीं होने से समस्या तो आ रही है। लेकिन शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई तो नेशनल हाइवे पर चक्काजाम किया जाएगा। साथ कलेक्टोरेट दोबारा पहुंचकर घेराव भी किया जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ लोगों ने किसानों के खिलाफभी शिकायत की है, जिसमें पशुओं को चराने का हवाला दिया है, जबकि वह घास जमीन है वहां खेती-किसानी का काम नहीं किया जाता। ग्रामीणों ने कहा कि उस शिकायत को भी वापस लिया जाना चाहिए।

कार्रवाई की भी तैयारी, बरतेंगे सख्ती

शहर और ग्रामीण इलाकों में स्थिति ऐसी है कि मवेशियों को खुला छोड़ देने के कारण सड़क व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जमावड़ा लग जाता है। ऐसे में कई हादसे भी हो रहे हैं। कई ऐसे मामले भी सामने आ चुके हैं, इसलिए अब कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। ताकि मवेशियों को निर्धारित स्थान पर ही रखा जाए। ताकि उनकी भी सुरक्षा हो सके।

हर घर तिरंगा के तहत प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया गया

भिलाईनगर। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र के प्रति भावना और हर घर एक तिरंगा लगाने के साथ शहर को साफ-सुथरा बनाये रखने नागरिको में जन जागरूकता लाने अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के नेतृत्य में इसकी शुरूवात सुपेला घड़ी चौंक से होते हुए लक्ष्मी मार्केट तक रैली निकाला गया। इसमें सड़क किनारे फूटपाथ पर व्यवसाय करने वालो को शहर की साफ -सफाई में विशेष योगदान देने प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने हेतु जागरूक किया गया। फल एवं ठेला संचालकों द्वारा प्लास्टिक उपयोग करने पर जसी की कार्यवाही कर समझाइस दिया गया है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन एवं महापौर नीरज पाल शहर के नागरिकों को प्लास्टिक मुक्त अभियान में सहयोग करने हेतु अपील विशेष किए हैं । हम सभी को अपने जीवन के हर एक गतिविधियों में प्लास्टिक का बहिष्कार करना है, जिससे आने वाले समय में प्लास्टिक के भयावह दुष्परिणाम से बचा जा सके। हम सभी प्लास्टिक से दूरी बनाकर अपने जीवन को सुखमय एवं स्वास्थ्य पूर्ण बना सकते हैं। 7 अगस्त से चल रहे हर घर तिरंगा एवं हर घर स्वच्छता अभियान में प्रति दिवस की गतिविधि अलग-अलग है। जागरूकता रैली में जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, हेमंत मांझी, कमलेश द्विवेदी, अतुल यादव, पीआईयू, अभिनव ठोकने, सुभम पाटनी, एल.एल.आर.एम. सेंटर की महिलाए एवं स्व सहायता समूह की महिलाएं सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

आयुक्त का पुलगांव में औचक निरीक्षण, सड़क-नालियों की सफाई पर दिए कड़े निर्देश

ठेले-खोमचे और अतिक्रमण पर होगी कार्रवाई,व्यापारिक प्रतिष्ठानों को गीला-सूखा कचरा अलग रखने के निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल ने पुलगांव क्षेत्र सहित आसपास के वार्डों का औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का उद्देश्य शहर की सफाई व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और सार्वजनिक सुविधाओं का जायजा लेना था।

निरीक्षण में सामने आई समस्याएं-निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने कई जगहों पर सड़कों और गलियों में गंदगी, नालियों के किनारे जमी घास, और यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले ठेले व खोमचे देखे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। शहर की सड़कों और गलियों को स्वच्छ व व्यवस्थित रखना हमारी प्राथमिकता है। नागरिकों को किसी भी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इस दौरान अधिकारी स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्र,उपअभियंता विकास दमाहे, कर्म शाला अधीक्षक शोएब अहमद,पार्षद अश्वनी निषाद, गौतम साहू सहित अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहें। आयुक्त ने विशेष रूप से नालियों और सड़कों की सफाई को प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने सड़क व नालियों के आसपास उगी अनावश्यक घास को तुरंत काटने और वार्डों के भीतर गली-मोहल्लों में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के आदेश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि कुछ दुकानदारों ने दुकान के बाहर साइन बोर्ड, ठेले और खोमचे लगाकर फुटपाथ और सड़क का हिस्सा घेर लिया है। आयुक्त ने ऐसे अवैध अतिक्रमणों को हटाने और यातायात व्यवस्था को सुचारु करने के लिए तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। स्वच्छ भारत मिशन के तहत आयुक्त अग्रवाल ने सभी व्यापारिक प्रतिष्ठानों को गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कचरा केवल निगम की गाड़ियों को ही दिया जाए और उसका निपटान 'स्वच्छता दीदी' के माध्यम से किया जाए। उन्होंने व्यापारियों को चेतावनी दी कि निर्देशों का पालन न करने पर नियमानुसार जुर्माना लगाया जाएगा। आयुक्त ने कहा कि साफ-सुथरा और व्यवस्थित शहर बनाए रखने में प्रशासन के साथ-साथ नागरिकों का सहयोग भी जरूरी है। उन्होंने अपील की कि लोग सफाई व्यवस्था को मजबूत बनाने में निगम के प्रयासों का हिस्सा बनें।

कलेक्टर की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन की बैठक सम्पन्न

- ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन, जैविक कचरा निपटान, जल संरक्षण एवं फीकल स्लज मैनेजमेंट हेतु दिए आवश्यक निर्देश

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में विगत दिवस जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गयी। जिला पंचायत के कार्यपालन अधिकारी बजरंग दुबे ने अवगत कराया कि ग्राम स्तर पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अंतर्गत समस्त 381 ग्रामों में घर-घर कचरा एकत्रिकरण कर सेग्रीगेशन वर्कशेड में स्वच्छाग्राहियों द्वारा पृथक्कीकरण का कार्य किया जा रहा है। कुल 155 ग्रामों में घरों से एवं 90 ग्रामों में बाजार व दुकानों से स्वच्छता युजर चार्ज लिया जा रहा है। 4 ग्राम बिजनेस मॉडल की स्थिति को प्राप्त कर चुके है। 307 ग्राम की स्वच्छाग्राहियों द्वारा कबाड़ी वाले के साथ एमओयू किया गया है। प्रतिमाह एकत्र युजर चार्ज एवं विक्रय किये गये प्लास्टिक वेस्ट से आय की ग्रामवार जानकारी भी दी गई। मनरेगा अंतर्गत निर्मित 2140 सामुदायिक नाडेप एवं 835 वर्मी कंपोस्ट क्रियाशील अवस्था में है। साथ ही सेग्रीगेशन शेड के समीप एक-एक नाडेप एवं वर्मी कंपोस्ट पिट का निर्माण किया गया है। नाली के अंतिम छोर में सोकपीट निर्माण किये जाने हेतु जनपद पंचायत दुर्ग में 81, धमधा में 162 एवं पाटन में 450 इस प्रकार कुल 693 स्थानों को चिन्हांकित किया गया है। इस हेतु जनपद पंचायत धमधा से 195 एवं जनपद पंचायत पाटन से 127 मांगपत्र प्राप्त हुए है। जनपद पंचायत दुर्ग में 506, जनपद पंचायत धमधा में 935 एवं जनपद पंचायत पाटन में 1415 इस प्रकार कुल 2856 तरल अपशिष्ट प्रबंधन हेतु सार्वजनिक स्थानों पर पूर्व में निर्मित सोकपिट क्रियाशील है। कलेक्टर सिंह ने प्रतिमाह बिजनेस मॉडल ग्राम की संख्या को बढ़ाने तथा कबाड़ी वाले के साथ शेष एमओयू को 10 दिवस के भीतर करने के निर्देश दिये। उन्होंने जैविक कचरे के निपटान हेतु निर्मित समस्त वर्मी व नॉडेप टैंक को क्रियाशील रखे जाने हेतु निर्देश दिये। कलेक्टर सिंह ने जनपद पंचायत दुर्ग से नाली के अंतिम छोर में सोकपिट निर्माण करने के लिए प्रशासकीय स्वीकृति हेतु मांगपत्र दिये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा समस्त चिन्हांकित स्थानों के लिए तकनीकी स्वीकृति एवं मांगपत्र प्रेषित किये जाए। बैठक में अवगत कराया गया कि मनरेगा एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अभिसरण अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 344 रिचार्ज पिट कार्य पूर्ण किये जा चुके है। जिसमें से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा 25 हैण्डपम्पों का चयन कर मई 2025 में जांच किया गया है। जिसमें रिचार्ज पिट निर्माण पश्चात जल स्तर बढ़ने की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। ट्रिपल पी मॉडल अंतर्गत ग्राम पंचायत कोलिहापुरी को ए.एस. पॉलिमर संस्था से लिंक कर एमओयू किया गया है। जिनके माध्यम से गट्ठा मशीन लगाकर प्लास्टिक प्रोसेसिंग किया जायेगा तथा ग्राम पंचायत गाड़ाडीह जनपद पंचायत पाटन में समर्थन संस्था से लिंक कर एमओयू किया जा रहा है। जिसके माध्यम से प्लास्टिक गलाकर नई सामग्री तैयार की जाएगी। इस हेतु तीनों विकासखण्ड के सभी ग्राम में निर्मित सेग्रीगेशन शेड को लिंक किया गया है। ग्रामों से प्लास्टिक एकत्र कर पीडबल्यूएमयू तक लाने के लिए माल वाहक ई-रिक्शा की आवश्यकता है। जिसके लिए कलेक्टर से डीएमएफमद से ई-रिक्शा प्रदाय किये जाने हेतु प्रस्ताव रखा गया है। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से समस्त हैण्डपम्पों के वाटर लेवल परीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत कराये जाने तथा मानसून के पश्चात एवं ग्रीष्म काल में पुनः वाटर लेवल जांच करने के निर्देश दिये। उन्होंने निजी ऐजेन्सी के साथ एमओयू के पश्चात कार्य प्रारंभ किये जाने पर प्लास्टिक के प्रोसेसिंग की मात्रा एवं आय-व्यय के विवरण संधारित करने के निर्देश दिये। अन्य ग्राम पंचायतों से प्राप्त हो रहे प्लास्टिक का वजन कर बाजार मुल्य पर एजेंसी द्वारा तत्काल भुगतान सुनिश्चित करने कहा गया तथा पीडबल्यूएमयू में ई-रिक्शा प्रदाय कराये जाने हेतु प्रस्ताव एवं मांग पत्र प्रस्तुत किये जाने के निर्देश दिये गये। जिला पंचायत सीईओ दुबे ने बताया फिकल स्लज मैनेजमेंट माह जुलाई में जनपद पंचायत दुर्ग में 09, धमधा में 16 एवं पाटन में 11 बार डी-स्लज किया गया है।

जनपद पंचायत धमधा को माह जुलाई में इस कार्य से 27 हजार रू. की आय प्राप्त हुई है। जिसमें से 24 हजार 500 रू. व्यय किया गया।

मोर पार्षद, मोर द्वार- सरकारी योजनाओं की दे रहे जानकारी ताकि मिले लाभ

नगर निगम पार्षद व चेयरमैन शैंकी बग्गा का लगातार जनसंपर्क

राजनांदगांव। प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ वार्ड के हर व्यक्ति को मिले, इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग के चेयरमैन और शीतला माता वार्ड पार्षद शैंकी बग्गा लगातार वार्डवासियों से जनसंपर्क कर रहे हैं। योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ चेयरमैन बग्गा योजनाओं का लाभ दिलाने फार्म भरवाने का काम भी प्रमुखता के साथ कर रहे हैं। इसके चलते वार्डवासियों का काम भी घर बैठे ही हो रहा है। चेयरमैन बग्गा ने बताया कि शीतला माता वार्ड के सागरपारा क्षेत्र मे वार्ड के जनमानस से संवाद किया गया। उनकी शिकायतों और मांग को समझा और संबंधित विभाग के अधिकारी से संपर्क कर निराकरण करने के लिए निर्देशित किया। असंगठित और भवन निर्माण श्रमिकों के बच्चों को छत्तीसगढ़ श्रमिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 500 रुपए से 10000 रुपए तक की छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए फॉर्म भरवाया गया।उन्ळेंने बताया कि कि जनमानस को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, पीएम आवास योजना और मुद्रा योजना के बारे में जानकारी दिया। इसके अलावा भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में तिरंगा यात्रा और मोर घर मोर तिरंगा अभियान की कार्यशाला में शामिल होकर कार्ययोजना तैयार की गई।

ग्राम टेड़ेसरा में 12 करोड़ 86 लाख 94 हजार रूपए की लागत के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

औद्योगिक क्षेत्र में यहां के युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे: रमन सिंह

राजनांदगांव। ग्राम टेडेसरा में सोमवार को 12 करोड़ 86 लाख रुपए के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण भी किया। इस दौरान उन्होंने आरोहण बीपीओ सेंटर के युवाओं को प्रमाण पत्र का वितरण किया। डॉ. सिंह ने कहा कि ग्राम टेड़ेसरा में शासकीय आईटीआई भवन निर्माण होने से विद्यार्थियों में उत्साह है। साथ ही अन्य कार्यों का भी लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया है।

उन्होंने कहा कि ग्राम टेड़ेसरा में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था 2011 में प्रारंभ हुआ और यहां कोपा, फिटर एवं इलेक्ट्रिशियन जैसे ट्रेड में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। संस्था के पास 7 एकड़ की अतिरिक्त भूमि है। उन्होंने कहा कि तीन ट्रेड के साथ ही अन्य ट्रेड भी यहां प्रारंभ होंगे। जिसके लिए इस भवन में पर्याप्त सुविधाएं है। औद्योगिक क्षेत्र में यहां के युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे है। ग्राम टेड़ेसरा में आरोहण बीपीओ सेंटर एक शानदार केन्द्र है। जिससे यहां के युवाओं को रोजगार के बेहतरीन अवसर मिल रहे है। यहां कार्य करते हुए युवा आत्मनिर्भर बन रहे है। उन्होंने बच्चों से कहा कि यहां कोर्स करने के बाद वे लघु उद्यम प्रारंभ कर सकते है। शासन द्वारा इसके लिए हरसंभव मदद दी जा रही है।विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आज जिले में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया जा रहा है। जिससे जिले में विकास कार्यों को गति मिलेगी।

इन कामों का किया गया लोकार्पण-भूमिपूजन

उन्होंने कहा कि लोकार्पण कार्य अंतर्गत लोक निर्माण विभाग के योजना मद से ग्राम ईरा में 1 करोड़ 66 लाख रूपए 78 हजार रूपए की लागत से सीसी रोड ईरा से गौठान पहुंच मार्ग 1.150 किलोमीटर एवं ग्राम सोमनी में 7 करोड़ 81 लाख 27 हजार रूपए की लागत से सोमनी से नवागांव मार्ग 6.05 किलोमीटर तथा सीएसए (एलडब्ल्यूई) से ग्राम टेड़ेसरा में 1 करोड़ 86 लाख 7 हजार रूपए की लागत से आईटीआई परिसर टेड़ेसरा में भवन निर्माण का लोकार्पण किया गया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत अधोसंरचना उपकर निधि से ग्राम ईरा में 5 लाख 2 हजार रूपए की लागत से बिसला निषाद से गुढ़ी चौक तक सीसी रोड निर्माण कार्य एवं पीएमश्री योजना से ग्राम कोपेडीह में 8 लाख 7 हजार रूपए की लागत से बाल वाटिका में अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण किया गया है। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने कहा कि जिले में आज ग्राम टेड़ेसरा में शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था के नवनर्मित भवन का लोकार्पण किया गया है। यहां तीन ट्रेड कोपा, इलेक्ट्रीशियन, फीटर संचालित है। यहां प्रतिवर्ष लगभग 128 बच्चे प्रवेश लेते है। संस्थान का आरोहण बीपीओ सेंटर से एएमयू भी किया गया है। यहां के युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर मिल रहे है।

कृष्ण जन्माष्टमी पर सांकरा में गूंजेंगे भजन-कीर्तन, आएंगे छत्तीसगढ़ी भजन-कीर्तन सम्राट पं. कामता प्रसाद शरण

अमलेश्वर। पाटन विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत सांकरा में आगामी 17 अगस्त को कृष्ण जन्माष्टमी का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी भजन-कीर्तन सम्राट पंडित कामता प्रसाद शरण विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। ग्राम पंचायत सरपंच रवि सिंगौर ने पंडित शरण से सौजन्य मुलाकात कर उन्हें कार्यक्रम में आमंत्रित किया, जिसे पंडित जी ने सहजता से स्वीकार करते हुए सांकरा आने की सहमति दी।भव्य आयोजन की तैयारी शुरू-ग्राम सांकरा में कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में एक दिवसीय कथा और भजन-कीर्तन का आयोजन होगा। आयोजन समिति और ग्रामवासी उत्साहपूर्वक तैयारियों में जुट गए हैं। इस अवसर पर गांव में धार्मिक माहौल और उत्सव का रंग देखने को मिलेगा।15 वर्षों से चल रही परंपरा-गौरतलब है कि ग्राम सांकरा में विगत 15 वर्षों से कृष्ण जन्माष्टमी बड़े धूमधाम से मनाई जा रही है। इस वर्ष भी परंपरा को और भव्य स्वरूप देने के लिए गांव के लोग विशेष सजावट, झांकी और भजन-कीर्तन की व्यवस्थाएं कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com